सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023
www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 291, नई दिल्ली । सोमवार, 30 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं।

03 10 वर्षों में ठगे गए दिल्ली के लोग ...
06 महाकुंभ क्यों लगता है? जानिए इसकी विशेषता और महत्व-2025
08 पं. राजकुमार त्रिवेदी, विश्व हिन्दूराष्ट्र परिषद के प्रदेश अध्यक्ष घोषित

दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि में शामिल वाहन मालिक, कर्मचारी और व्यवसाई जल्द करने जा रहे है बैठक

संजय बाटला

नई दिल्ली। परिवहन आयुक्त द्वारा लगातार उद्योगपतियो को फायदा पहुंचाने और राजस्व में इजाफा करवाने के साथ दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों को परेशान करने के उद्देश्य से किए जा रहे आदेशों पर सभी श्रेणियों के वाहन मालिकों, संस्थाओं, यूनियंस के विरोध के बाद भी किसी के (मुख्य सचिव, परिवहन मंत्री, मुख्यमंत्री एवम्‌ उपराज्यपाल) द्वारा सवाल जवाब या विरोधात्मक कार्यवाही नहीं की गई जिससे सभी हैरान और परेशान हैं।

नियम विरुद्ध आदेशों पर रोक ना लगाए जाने से हताश वाहन मालिकों और संस्थाओं/ यूनियंस ने दिल्ली में आने वाले इलेक्शन को देखते हुए एकमत और एकजुटता बनाने के लिए आपस मे बैठके शुरू कर दी है और आने वाले कुछ दिनों में तारीख़ की सहमती कर एक बड़ी निर्णायक बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में ट्रक, टेम्पो, बस, मिनी बस, कार, आटो टैक्सी, लोडिंग वाहन श्रेणी के साथ वाहन श्रेणियों में कार्यरत व्यवसाई भी उपस्थित होंगे।

इस बैठक में परिवहन विभाग खास तौर से परिवहन आयुक्त द्वारा जारी मोटर वाहन नियम अधिनियम के बाहर किए गए आदेशों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए एक फेडरेशन की घोषणा और एक मत होकर सहयोग ना देने वाले राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ एकजूटता घोषित कर सभी व्यवसायिक गतिविधि में शामिल वाहन मालिकों, कर्मचारियों और व्यवसायियों को अपना और अपने परिवार के साथ जानकारों के मत सिर्फ उस उम्मीदवार को देंगे जो सहयोग दे।

फेडरेशन ऑफ कमर्शियल वाहन दिल्ली की घोषणा जनवरी के पहले हफ्ते में और महत्वपूर्ण बैठक जनवरी के दूसरे हफ्ते में संभावित है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

आनंद विहार से मेरठ मिनटों में, किराया भी ज्यादा नहीं; जानें नमो भारत टिकट रेट

परिवहन विशेष न्यूज

आनंद विहार से मेरठ तक की यात्रा अब और भी सुलभ और आरामदायक हो जाएगी। नमो भारत ट्रेन का 5 जनवरी को उद्घाटन होने की संभावना है। सिर्फ बस के किराए जितने में ही अब आप आनंद विहार से मेरठ तक का सफर कम समय में तय कर सकते हैं। जानिए नमो भारत ट्रेन के किराए स्टेशनों और अन्य सुविधाओं के बारे में।

नई दिल्ली। नमो भारत ट्रेन जल्द आनंद विहार और न्यू अशोक नगर से मेरठ तक चलेगी। इसमें यात्री आनंद विहार से बस जितने किराये में मेरठ तक का आरामदायक सफर कम समय में कर सकेंगे। सर्दी के मौसम में ठंड लगने की भी चिंता नहीं रहेगी। इतना ही नहीं, सिर्फ 40 मिनट में आप आनंद विहार से मेरठ तक की यात्रा हो सकेगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की मानें तो नमो भारत ट्रेन की स्टैंडर्ड क्लास में सफर के लिए आनंद विहार से मेरठ साउथ तक 130 रुपये किराया होगा। इस बीच तक की यात्रा में 35 मिनट का समय लगेगा। जबकि यहां से दिल्ली-मेरठ हाईवे के रास्ते बस से मेरठ तक जाने में एक घंटे से अधिक समय और 120 रुपये किराया लगता है। आनंद विहार से नमो भारत ट्रेन की प्रीमियम क्लास में मेरठ तक सफर के लिए 195 रुपये अदा करने होंगे।

नमो भारत ट्रेन का पूरा कॉरिडोर 82 किमी का

दिल्ली-मेरठ के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के तहत नमो भारत ट्रेन का पूरा कॉरिडोर 82 किलोमीटर का होगा। इसमें से तैयार हो चुके साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 38.61 किलोमीटर रूट पर नमो भारत ट्रेन यात्रियों के सेवा में संचालित हो रही है।

सभी व्यवस्थाएं पूरी, सिर्फ उद्घाटन बाकी

दिल्ली के खंड में आनंद विहार और न्यू अशोक नगर स्टेशन पर ट्रेन के संचालन की सभी व्यवस्थाएं पूरी हैं, सिर्फ इसका उद्घाटन बाकी है। यह खंड करीब 11 किलोमीटर का है। न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक जाने के लिए स्टैंडर्ड क्लास में 150 रुपये और प्रीमियम क्लास में 225 रुपये किराया देना होग। इस स्टेशन से आनंद विहार तक का न्यूनतम 45 रुपये 45 रुपये किराया लगेगा।

न्यू अशोक नगर पर मेट्रो स्टेशन से जोड़ने में लगेगा समय

नमो भारत ट्रेन के न्यू अशोक नगर स्टेशन को स्काई वॉक के जरिये मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाना है। स्काई वॉक का सीमेंटेड स्ट्रक्चर तैया हो चुका है, लेकिन बाकी काम पूरे होने में करीब 15 दिन का समय लगेगा। इसी स्टेशन के कानकोर्स लेवल पर शेड का काम भी बाकी है। वहीं आनंद विहार स्टेशन के आसपास सुंदरीकरण, नाले पर एक पुल का काम बाकी है। एनसीआरटीसी अधिकारियों का कहना है कि इस कार्य को जल्द पूरा कर दिया जाएगा।

पांच जनवरी को उद्घाटन का प्रस्ताव

इन दोनों स्टेशनों का उद्घाटन रविवार को प्रस्तावित था, जोकि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक के चलते स्थगित हो गया। अब उद्घाटन की नई तारीख पांच जनवरी रखने पर विमर्श चल रहा है।

पार्किंग शुल्क

दोपहिया वाहन

10 मिनट से छह घंटे- 10 रुपये
छह से 12 घंटे- 25 रुपये
12 घंटे के बाद- 30 रुपये
नाइट चार्ज (रात 12 बजे से सुबह पांच बजे तक)- 60 रुपये

कार

10 मिनट से 16 घंटे- 30 रुपये
16 घंटे के बाद- 100 रुपये
नाइट चार्ज (रात 12 बजे से सुबह पांच बजे तक)- 200 रुपये

आनंद विहार से नमो भारत का किराया

स्टेशन	स्टैंडर्ड क्लास	प्रीमियम क्लास
साहिबाबाद	30	45
गाजियाबाद	40	60
गुलधर	50	75
दुहाई	60	90
दुहाई डिपो	70	105
मुरादनगर	80	120
मोदीनगर साउथ	90	135
मोदीनगर नार्थ	100	150
मेरठ साउथ	130	195

न्यू अशोक नगर स्टेशन से किराया

स्टेशन	स्टैंडर्ड क्लास	प्रीमियम क्लास
आनंद विहार	30	45
साहिबाबाद	50	75
गाजियाबाद	60	90
गुलधर	70	105
दुहाई	80	120
दुहाई डिपो	90	135
मुरादनगर	100	150
मोदीनगर साउथ	120	180

दिल्ली के खंड में आनंद विहार और न्यू अशोक नगर स्टेशन पर ट्रेन के संचालन की सभी व्यवस्थाएं पूरी हैं, सिर्फ इसका उद्घाटन बाकी है। यह खंड करीब 11 किलोमीटर का है। न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक जाने के लिए स्टैंडर्ड क्लास में 150 रुपये और प्रीमियम क्लास में 225 रुपये किराया देना होग। इस स्टेशन से आनंद विहार तक का न्यूनतम 45 रुपये 45 रुपये किराया लगेगा।

पांच हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा से जुड़े ढेरों कार्य हुए।

अलविदा 2024 : प्रयागराज को मिली दो वंदे भारत की सौगात, बदल गई स्टेशनों की तस्वीर

परिवहन विशेष न्यूज

वर्ष 2024 प्रयागराज की परिवहन सेवा के लिए कई मायनों में यादगार रहेगा। महाकुंभ की वजह से इस वर्ष प्रयागराज को बहुत कुछ मिला। पांच हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा से जुड़े ढेरों कार्य हुए।

नई दिल्ली। वर्ष 2024 प्रयागराज की परिवहन सेवा के लिए कई मायनों में यादगार रहेगा। महाकुंभ की वजह से इस वर्ष प्रयागराज को बहुत कुछ मिला। पांच हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा से जुड़े ढेरों कार्य हुए।

रेल ओवरब्रिज और रेल अंडरब्रिज के निर्माण से जहां अब शहर में एक भी लेवल क्रॉसिंग नहीं है तो वहीं इस वर्ष प्रयागराज को दो और सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत की सौगात मिली। दिसंबर आते-आते शहर के सभी रेलवे स्टेशनों की तस्वीर पूरी तरह से बदल गई। रेलवे के लिहाज से यह वर्ष उपलब्धियों भरा रहा। इस वर्ष संगमनगरी को प्रयागराज से गोरखपुर और बनारस से आगरा कैंट के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के रूप में दो सेमी हाई स्पीड ट्रेनें मिलीं। इस तरह से अब यहां कुल चार जोड़ी वंदे भारत ट्रेनों की आवाजाही हो रही है।

स्टेशनों को मिलीं नई इमारतें

अमृत भारत स्टेशन के तहत उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के प्रयाग और फाफामऊ रेलवे स्टेशन का कायाकल्प भी इसी वर्ष हुआ। इन दोनों ही स्टेशनों को नई इमारत मिलने के साथ ही 12-12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज भी मिले। प्रयाग स्टेशन को एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म भी मिला। इसी तरह प्रयागराज रामबाग स्टेशन की भी तस्वीर इस वर्ष पूरी तरह से बदल गई। स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर लगे शेड का विस्तार होने के साथ ही यहां तीन प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ाई गई। साथ ही एक नया प्लेटफॉर्म भी बना। सूबेदारगंज स्टेशन को भी इस वर्ष एक नया प्लेटफॉर्म मिला।

खास बात यह रही कि प्रयागराज जंक्शन की तर्ज पर अब झूंसी, सूबेदारगंज, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन और नैनी जंक्शन पर यात्रियों का प्रवेश स्टेशन के दोनों ओर से हो सकेगा। इन स्टेशनों पर सेकंड इंट्री बन जाने की वजह से यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। इन सब सौगातों के बीच प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर रूट रिले इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का एक बड़ा काम भी हुआ। ट्रेन परिचालन के हिसाब से यह इस वर्ष का सबसे बड़ा कार्य रहा। इंटरलॉकिंग होने से अब जंक्शन पर ट्रेनों की आवाजाही पहले के मुकाबले ज्यादा सुगम हो गई है।

पूरा हुआ प्रयागराज से वाराणसी का रेल दोहरीकरण, गंगा पर बना नया ब्रिज

इस वर्ष प्रयागराज से वाराणसी रेलमार्ग का भी पूर्ण रूप से दोहरीकरण हो गया। इस महत्वपूर्ण रेलखंड के प्रयागराज जंक्शन-झूंसी के बीच दोहरीकरण का कार्य ही शेष बचा था, जो इसी माह पूरा हुआ और पीएम मोदी ने इस रूट का लोकार्पण गत 13 दिसंबर को किया। इसके अलावा गंगा पर बना दोहरीकरण वाला प्रदेश का सबसे लंबा ब्रिज भी इसी माह राष्ट्र को समर्पित हुआ। प्रयागराज जंक्शन-जंघई रेलमार्ग के भी दोहरीकरण का कार्य इसी वर्ष पूरा हुआ। इसके पूरा होने से प्रयागराज से जंघई होते हुए वाराणसी का सफर अब और ज्यादा सुगम हो गया है।

एयरपोर्ट के वर्तमान टर्मिनल की बढ़ी क्षमता

इस वर्ष प्रयागराज एयरपोर्ट की वर्तमान टर्मिनल बिल्डिंग की क्षमता 350 से बढ़कर 850 यात्रियों की हो गई है। एयरपोर्ट में मुख्य रनवे को टर्मिनल से जोड़ने के लिए एक और टैक्सी-वे का भी निर्माण किया गया है। इसके निर्माण के बाद अब मुख्य रनवे से टर्मिनल बिल्डिंग तक विमानों के आने व जाने का रास्ता अलग हो गया है। इसके अलावा टर्मिनल भवन के सामने पांच लेन की सड़क को आठ लेन का किया जा रहा है। यह कार्य भी अब पूरा होने वाला है। वहीं, प्रयागराज एयरपोर्ट से इस वर्ष पहली बार हैदराबाद के लिए सीधी उड़ान भी शुरू हो गई। पिछले वर्ष बंद हुई रायपुर उड़ान का भी संचालन एक बार फिर से शुरू हुआ। इसके अलावा एयरपोर्ट से पहली बार अकासा एयर ने प्रयागराज से मुंबई के लिए सीधी उड़ान भी इसी वर्ष शुरू की।

बंद हो गया दारागंज स्टेशन, प्रयागराज से छिनी तुलसी एक्सप्रेस

वर्ष 2024 जहां कई मायनों में परिवहन सेवा के लिए बेहतर रहा तो वहीं कुछ ऐसी भी चीजें रहीं जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गईं। 110 वर्ष से ज्यादा पुराना दारागंज स्टेशन इसी माह हमेशा के लिए बंद हो गया। इसके अलावा दारागंज को झूंसी से जोड़ने वाला आइजेट पुल भी अब इतिहास हो गया। दारागंज स्टेशन बंद होने के बाद इस पुल पर भी ट्रेनों की आवाजाही बंद हो गई। वहीं, प्रयागराज से सप्ताह में दो दिन मुंबई के लोकमान्य तिलक जाने वाली तुलसी एक्सप्रेस भी इसी वर्ष प्रयागराज से छिन गई। इसे अब अयोध्या से चलाया जा रहा है।

वर्ष 2025 में भी मिलेगा बहुत कुछ

प्रयागराज को अगले वर्ष भी बहुत कुछ मिलेगा। यहां से मुंबई रूट के लिए मानिकपुर तक तीसरी लाइन बिछाए जाने का कार्य शुरू होगा। इसके अलावा प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास का कार्य भी महाकुंभ के बाद शुरू होगा। वर्ष 2025 के अंत तक सिविल लाइंस साइड में पुनर्विकास का कार्य पूरा हो जाने की उम्मीद है। वहीं, प्रयागराज से बमरौली के बीच चौथी लाइन भी अगले वर्ष तैयार हो जाएगी। साथ ही सूबेदारगंज के पास बनाए जा रहे रेल फ्लाईओवर का निर्माण भी अगले वर्ष पूरा हो जाएगा। इसी तरह सिविल लाइंस बस स्टेशन और जीरोरोड बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य भी महाकुंभ मेला संपन्न होने के बाद शुरू होगा। इन दोनों ही बस स्टेशनों पर बहुमंजिला मॉल बनाया जाएगा।

स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ावा देते पैकेज्ड खाद्य पदार्थ

बहुराष्ट्रीय निगम अक्सर अमीर देशों की तुलना में कम आय वाले देशों में कम स्वस्थ भोजन बेचते हैं। खाद्य उत्पादों के लिए स्वास्थ्य स्टार रेटिंग अमीर देशों के लिए औसतन 2.3 जबकि गरीब देशों के लिए 1.8 थी, जो शोषण की सीमा पर एक असमानता को दर्शाती है। नारियल तेल, जिसे कभी हृदय रोग से जोड़ा जाता था, अब इसके न्यूरोप्रोटेक्टिव गुणों के लिए प्रचारित किया जाता है। बीज के तेल, जिन्हें पहले काफ़ी बढ़ावा दिया जाता था, अब हानिकारक माने जाते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी इस्तेमाल और आंत माइक्रोबायोम अध्ययनों द्वारा मान्य पारंपरिक आहार, तेज़ी से महत्त्व प्राप्त कर रहे हैं। परिष्कृत अनाज और पॉलिश किए गए खाद्य पदार्थों ने मधुमेह और मोटापे सहित स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा दिया है। ग्रीनवाशिंग और निगमों द्वारा निराधार पर्यावरणीय दावे उपभोक्ताओं को और गुमराह करते हैं।

डॉ सत्यवान सौरभ

हाल ही की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि लिंड्ट डार्क चॉकलेट में स्वीकार्य स्तर से ज़्यादा लेड और कैडमियम होता है। कंपनी इसका कारण कोको में भारी धातुओं की अनिवार्यता को मानती है। अमेरिका में, एक वर्ग-कार्रवाई मुकदमा दायर किया गया है; हालाँकि, कंपनी बिना किसी बाधा के अपना संचालन जारी रखती है। 2015 में, नेस्ले के मैगी नूडल्स पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया था, क्योंकि परीक्षणों में अत्यधिक लेड और मोनोसोडियम ग्लूटामेट सामग्री पाई गई थी। इसने भ्रामक विपणन रणनीतियों को उजागर किया, जहाँ अत्यधिक प्रसंस्कृत उत्पाद को ₹स्वाद भी, स्वास्थ्य भी₹ टैगलाइन के साथ एक स्वस्थ विकल्प के रूप में विज्ञापित किया गया था। टू न्यूट्रिशन इनिशिएटिव अध्ययन से पता चलता है कि बहुराष्ट्रीय निगम अक्सर अमीर देशों की तुलना में कम आय वाले देशों में कम स्वस्थ भोजन बेचते हैं। खाद्य उत्पादों के लिए स्वास्थ्य स्टार रेटिंग अमीर देशों के लिए औसतन 2.3 जबकि गरीब देशों के लिए 1.8 थी, जो शोषण की सीमा पर एक असमानता को दर्शाती है। यह असमानता व्यवस्थित शोषण को दर्शाती है और वैश्विक निगमों की समान खाद्य गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने की नैतिक जिम्मेदारी को रेखांकित करती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर सामग्री, पोषण मूल्य और समाप्ति तिथियों के लिए लेबलिंग अनिवार्य करता है। नियामक आवश्यकताओं के बावजूद, कई कंपनियाँ ₹पर्यावरण के अनुकूल₹, ₹जैविक₹ या ₹आहार के अनुकूल₹ होने जैसे अपुष्ट दावे करती हैं। कई उपभोक्ता लेबल की पूरी तरह से जाँच करने में विफल रहते हैं, इसके बजाय विज्ञापन से प्रभावित फ्रंट-पैक स्वास्थ्य दावों पर भरोसा करते हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने पहचाना कि भ्रामक लेबल गैर-संचारी रोगों और मोटापे को बढ़ाने में योगदान करते हैं।

सोडा, कैंडी, पहले से पैक मांस, चीनी युक्त अनाज और आलू के चिप्स जैसे अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन से कैंसर, हृदय, जठरांत्र और श्वसन संबंधी विकार, अवसाद, चिंता और समय से पहले मृत्यु सहित 32 स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, ऐसा जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित एक नए अध्ययन में बताया गया है। अध्ययन में पाया गया कि उच्च आय वाले देशों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत दैनिक कैलोरी सेवन का 58% तक है। हाल के वर्षों में मध्यम और निम्न आय वाले देशों ने भी इनके उपभोग में उल्लेखनीय वृद्धि की है। लोगों ने इन खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन किया उनमें अवसाद, टाइप 2 मधुमेह और घातक हृदयाघात का खतरा अधिक था। कई उपभोक्ता खाद्य लेबल को व्यापक रूप से पढ़ने में विफल रहते हैं। उदाहरण के लिए, ₹स्वस्थ₹ के रूप में विपणन किए जाने वाले बेरीज में अतिरिक्त चीनी हो सकती है, जिसका उल्लेख सामग्री में सावधानी से किया जाता है, लेकिन पोषण सम्बंधी तथ्यों को छोड़ दिया जाता है। विज्ञापनों और स्वास्थ्य दावों के माध्यम से छिपे हुए संदेश अक्सर कठोर जांच को दरकिनार कर देते हैं, जिससे उपभोक्ता गुमराह होते हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ने खाद्य उपलब्धता और शेल्फ लाइफ में सुधार किया है, लेकिन अक्सर पारदर्शिता का अभाव होता है। उत्पादन में योजक, परिरक्षक और रासायनिक प्रक्रियाएँ चयापचय सम्बंधी विकारों और बीमारियों से जुड़ी हैं। भोजन को दवा के बराबर मानने वाली पारंपरिक समझ आधुनिक प्रथाओं द्वारा कमज़ोर हो गई है। जबकि जैविक खाद्य पदार्थ लोकप्रिय हो रहे हैं, वे उच्च लागत और सीमित पहुँच के कारण एक आला बाज़ार बने हुए हैं। विस्तृत उत्पादन और सोर्सिंग जानकारी प्रदान करने के लिए क्यूआर कोड द्वारा सुगम स्रोतों के साथ स्थानीय, मौसमी उपज पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। लाभ के लिए सुरक्षा मानकों को कमजोर करने पर विचार करते हुए, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा पैकेज्ड पानी को उच्च जोखिम वाले खाद्य पदार्थ के रूप में वर्गीकृत करना एक स्वागत योग्य क़दम है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट और उपभोक्ता सतर्कता आवश्यक है।

डॉ. सत्यवान सौरभ, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, भिवानी हरियाणा

नारियल तेल, जिसे कभी हृदय रोग से जोड़ा जाता था, अब इसके न्यूरोप्रोटेक्टिव गुणों के लिए प्रचारित किया जाता है। बीज तेल, जिन्हें पहले बहुत बढ़ावा दिया जाता था, अब हानिकारक माने जाते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी उपयोग और आंत माइक्रोबायोम अध्ययनों द्वारा मान्य पारंपरिक आहार, तेजी से महत्त्व प्राप्त कर रहे हैं। परिष्कृत अनाज और पॉलिश किए गए खाद्य पदार्थों ने मधुमेह और मोटापे सहित स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा दिया है। निगमों द्वारा ग्रीनवाशिंग और निराधार पर्यावरणीय दावे उपभोक्ताओं को और अधिक गुमराह करते हैं। खाद्य कंपनियों द्वारा भ्रामक दावों के लिए उपभोक्ता जागरूकता और सतर्कता की आवश्यकता है। पोषण सम्बंधी साक्षरता को लेबल पढ़ने से आगे बढ़कर खाद्य उत्पादन और विपणन के व्यापक निहितार्थों को समझना चाहिए। चेतावनी एम्प्टर (खरीदार सावधान) को सूचित विकल्प बनाने में उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण जैसी नियामक संस्थाओं को प्रवर्तन को मजबूत करना चाहिए और लेबलिंग मानकों को बढ़ाना चाहिए। कंपनियों को बाजारों में समान खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए नैतिक प्रथाओं को अपनाना चाहिए। उपभोक्ताओं को सावधानी और सतर्कता के माध्यम से सूचित विकल्पों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उपभोक्ताओं को पारंपरिक ज्ञान के साथ आधुनिक सुविधा को संतुलित करते हुए भोजन की खपत के लिए एक सचेत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पारदर्शिता बढ़ाना, लेबलिंग की सटीकता में सुधार करना, तथा पोषण साक्षरता को बढ़ावा देना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण क़दम हैं।

माइक्रो मैंस में लड़ाई-झगड़ों से दूर रहते है कपल, बेहद खास होते हैं पार्टनर को खुश रखने के तरीके

रिलेशनशिप में Micro-Mance की सबसे बड़ी खासियत है कि ऐसे कपल लड़ाई-झगड़ों से हमेशा दूर रहते हैं। इस तरह के रिश्तों में कपल्स एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझते हैं और एक-दूसरे की छोटी-छोटी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। वे जानते हैं कि हर समस्या का हल बातचीत से निकल सकता है। आइए विस्तार से समझें Micro-mancing In Relationship के बारे में।

आज के जमाने में रिश्तों में प्यार जताने के तरीके लगातार बदल रहे हैं। खासकर Gen Z के बीच, रिश्तों को लेकर नए-नए शब्द और विचार सामने आ रहे हैं। इनमें से एक है 'Micro-Mance'। यह एक ऐसा तरीका है जिसमें प्यार को छोटी-छोटी, डेली लाइफस्टाइल से जुड़ी चीजों में बयां किया जाता है। यह महंगे गिफ्ट्स या शानदार डेट्स से हटकर, छोटे-छोटे इशारों और फीलिंग्स को शेयर करने से जुड़ा है।

माइक्रो-मैंस, रोमांस से पूरी तरह अलग नहीं है, बल्कि यह प्यार को जाहिर करने का एक नया तरीका है जो आज के बिजी लाइफस्टाइल में और भी ज्यादा जरूरतमंद साबित हो रहा है। आइए जानते हैं कि माइक्रो-मैंस क्या है और यह रिलेशनशिप में इसकी मौजूदगी कैसे फायदेमंद साबित हो सकती है।

क्या है माइक्रो-मैंस?

रोमांस और माइक्रो-मैंस, दोनों ही प्यार जताने के तरीके हैं। जहां रोमांस में बड़े-बड़े संकेतों से प्यार का इजहार किया जाता है, वहीं माइक्रो-मैंस में छोटी-छोटी बातों से खुशियां बांटी जाती हैं। आसान शब्दों में कहें तो, माइक्रो-मैन्स का मतलब है अपने पार्टनर को खुश करने के लिए छोटे-छोटे तरीके अपनाना। जैसे कि उनके लिए एक प्यारा सा नोट लिखना, उनका पसंदीदा खाना बनाना या फिर बस उन्हें गले लगाकर कहना कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं।

पार्टनर की खुशी का रखते हैं खास ध्यान

मान लीजिए आप किसी से प्यार करते हैं और बिजी लाइफस्टाइल के कारण उन्हें उतना समय नहीं दे पाते जितना आप देना चाहते हैं। ऐसे में आप उन्हें एक रोमांटिक गाना भेजकर यह बता सकते हैं कि यह गाना आपको उनकी याद दिलाता है। इस छोटे से इशारे को माइक्रो-मैंसिंग कहा जाता है। इसी तरह, आप अपने पार्टनर के लिए एक रोमांटिक प्लेलिस्ट बनाकर भेज सकते हैं, उन्हें प्यार भरे नोट्स लिख सकते हैं या उन्हें अपने हाथों से कुछ बनाकर गिफ्ट कर सकते हैं। ये सभी छोटे-छोटे तरीके भी माइक्रो-मैंसिंग के उदाहरण हैं।

रिश्तों में आ सकती है नई जान

प्यार-मोहब्बत के इन छोटे-छोटे इशारों से आपके रिश्ते में नई जान आ सकती है। ये छोटी-छोटी कोशिशें आपके पार्टनर को खास महसूस कराते हैं और आपके बीच का कनेक्शन और मजबूत होता है।

खांसी होने पर राहत देंगे आजमाए हुए देसी नुस्खे

1. गर्म पानी का सेवन आपको सर्दी-खांसी में राहत पहुंचाएगा। जितना हो सके गर्म पानी पिएं। इससे आपका गले में जमा कफ खुलेगा। और आपको राहत मिलेगी।

2. हल्दी वाला दूध जुकाम के लिए काफी फायदेमंद होता है, क्योंकि हल्दी में एंटी ऑक्सीडेंट्स गुण पाएं जाते है। जो कीटाणु से हमारी रक्षा करते हैं। यदि इसका नियमित सोने से पहले सेवन किया जाएं तो सर्दी खांसी की समस्या से निजात मिलता है।

3. आधा चम्मच शहद में एक चुटकी इलायची पाउडर और कुछ बूंदे नींबू के रस की डालिए। इस सिरप का दिन में 2 बार सेवन करें। आपको खांसी-जुकाम से काफी राहत मिलेगी।

4. अदरक, तुलसी, काली मिर्च की मसाले वाली चाय आपको ठंड से तो राहत दिलाएंगी ही साथ ही सर्दी-जुकाम की समस्या को भी ठीक करेगी।

5. आंवला यह सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद होता है। इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन-सी पाया जाता है जो खून के संचार को बेहतर करता है और इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी होते हैं यह आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते है।

6. अदरक बेहद लाभकारी होता है। यदि आप सर्दी खासी से परेशान है, तो आप अदरक के रस में तुलसी मिलाएं और इसका सेवन करें। आप चाहे तो इसमें शहद भी मिला सकते है।

7. अदरक और नमक को खाने से भी आपकी सर्दी गायब हो जाएंगी। बस आपको अदरक को छोटे टुकड़ों में काटना है फिर इसमें नमक लगाकर इसका सेवन करना है।

8. रोज सुबह आप लहसुन की कली का सेवन करें।

30 दिनों तक रोजाना खाली पेट पिएं अदरक का पानी, सेहत को मिलेंगे कई चौंकाने वाले फायदे

अदरक में ढेरों औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। चाय या फिर खाने-पीने की अन्य चीजों में तो आप भी इसे जरूर डालते होंगे लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि रोजाना 30 दिनों तक खाली पेट अदरक का पानी (30 Days Ginger Water Detox) पीने से सेहत को क्या-कुछ फायदे मिल सकते हैं। आइए जानें।

नई दिल्ली। सर्दी के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में, इम्युनिटी को मजबूत रखना बहुत ज्यादा जरूरी है। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक, इस मौसम में हमारे लिए वरदान साबित हो सकता है। ठंड के मौसम में अक्सर सुबह उठकर आप गर्म चाय का सहारा तो जरूर लेते होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अदरक का पानी चाय से कहीं ज्यादा फायदेमंद हो सकता है? जी हां, अदरक में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सर्दी-जुकाम से लड़ने में मदद करते हैं। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि 30 दिनों तक रोजाना अदरक का पानी (30 Days Ginger Water Detox) पीने से सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

मजबूत होती है इम्युनिटी : अदरक न सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ाता है बल्कि यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसके कई फायदों में से एक है इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना। नियमित रूप से अदरक का सेवन करने से हम मौसमी संक्रमणों से खुद को बचा सकते हैं। सर्दी, खांसी और छाती में जकड़न जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए अदरक का पानी पीना काफी कारगर साबित हो सकता है।

वेट लॉस में मददगार : अदरक का पानी न सिर्फ हमारे मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है बल्कि वजन को काबू करने में भी अहम भूमिका निभाता है। इसके नियमित सेवन से शरीर में जमा कैलोरीज तेजी से जलती हैं और हम हेल्दी और एक्टिव महसूस करते हैं। अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण हमारे शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं।

दूर होगी मॉर्निंग सिकनेस : अदरक में नेचुरल तरीके से मतली को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। यह प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए खासतौर से फायदेमंद होता है, जो अक्सर मॉर्निंग सिकनेस, सिरदर्द या ट्रैवल करते समय होने वाली उल्टी की समस्या से परेशान रहती हैं। इसके नियमित सेवन से पाचन से जुड़ी कई समस्याओं से भी आराम मिल सकता है।

नया साल सिर्फ़ जश्न नहीं, आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी

31 दिसम्बर की आधी रात को हम 2024 को अलविदा कह देंगे और कैलेंडर 1 जनवरी यानी 2025 के नए साल के दिन के लिए अपना नया पन्ना खोलेगा। उतार-चढ़ाव, मजेदार पल और कुछ ख़ास नहीं-यह सब अब अतीत की बात हो जायेंगे। हम एक नए साल के मुहाने पर खड़े हैं, जो हमारे सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हवा में उत्साह और चिंतन की गूंज है, जैसे पुरानी यादों और उम्मीदों का एक बेहतरीन मिश्रण। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि जीवन विरामों के बीच में ज़िया जाता है- जैसे कि सांस छोड़ने के ठीक बाद और सांस लेने से पहले। हर अंत बस एक और शुरुआत है। वास्तव में इसे महसूस करने के लिए साल के पहले दिन से बेहतर कोई समय नहीं है।

-प्रियंका सौरभ

एक नया साल एक नई शुरुआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की ज़रूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना ज़रूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है।

लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान-प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फ़ैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं।

नया साल सिर्फ़ जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम ज़रूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म-विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीज़ें सीखते रहें। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज-मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वज़न कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक क़दम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ़ कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक-दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच-विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं-पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, ₹वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया?₹ एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ़ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतज़ार करें।

अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरुआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच-समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह क़ीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही ख़त्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी-कभी क़लम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाज़े से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ़ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरुआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती है; बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है। हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फ़ैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मज़ाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाज़ा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे ख़ास बनाएँ! नई शुरुआत के जादू के लिए चीयर्स!

दिल्ली चुनाव में विधानसभा क्षेत्र के लिए शिक्षा घोषणा पत्र जारी करने वाले पहले नेता बने मनीष सिसोदिया

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी विधानसभा के लिए अलग से शिक्षा घोषणा पत्र जारी करने वाले मनीष सिसोदिया पहले नेता बन गए हैं। उन्होंने अपने विधानसभा जंगपुरा के लिए शिक्षा घोषणा पत्र जारी किया है। दिल्ली में शिक्षा क्रांति के जनक पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी विधानसभा जंगपुरा के बच्चों का भविष्य संवारने की घोषणा की है। उन्होंने शिक्षा घोषणा पत्र में शिक्षा को महत्व देते हुए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों का कायाकल्प करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि मैंने शिक्षा मंत्री के रूप में काम करते हुए दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक ठोस नींव तैयार की है। अब जंगपुरा से विधायक बनने के बाद क्षेत्र के स्कूलों में क्रांतिकारी बदलाव लाने पर काम करूंगा। यहां सराय काले खां और हज़रत निज़ामुद्दीन इलाके में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो नए स्कूल बनाए जाएंगे। सरकारी स्कूलों की तरह ही क्षेत्र के सभी सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं दी जाएंगी और निजी स्कूलों को मनमाना फीस नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। साथ ही, हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू के साथ उन भारतीय भाषाओं के टीचर्स भी रखे जाएंगे जो वहां पढ़ने वाले बच्चों की मातृ भाषा है।

मनीष सिसोदिया ने जारी शिक्षा घोषणा पत्र में कहा है कि बच्चों की अच्छी शिक्षा ही किसी परिवार की तरक्की का एकमात्र जरिया है। हम सब चाहते हैं कि हमारा बच्चा बड़ा होकर एक सफल और प्रतिष्ठित व्यक्ति बने। लेकिन उसके लिए बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलना बहुत ज़रूरी है। आपने देखा है कि मैंने शिक्षा मंत्री के रूप में काम करते हुए दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक ठोस नींव तैयार की है। अब मैं आपकी जंगपुरा विधानसभा से आपके एमएलए के रूप में भी काम करने आ रहा हूं।

नया स्कूल और वर्तमान स्कूलों में नई बिल्डिंग समेत अन्य सुविधाएं

-सराय काले ख़ाँ और हज़रत निज़ामुद्दीन इलाके में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो नए स्कूल बनाए जायेंगे।

-फ़ीरोज़ थाह कोटला और हरि नगर आश्रम के स्कूल में शानदार नई बिल्डिंग बनाई जाएगी और यहाँ बच्चे 12वीं तक की पढ़ाई कर सकेंगे।

-सभी स्कूलों में टीचर्स की संख्या पूरी रहेगी।

-स्कूलों में सिक्योरिटी गार्ड और सफ़ाई कर्मचारी होंगे ताकि सुरक्षा और सफाई की व्यवस्था बेहतरीन रहे।

-ट्रैफिक पुलिस के साथ तालमेल रहेगा ताकि स्कूल लगने-छूटने के समय बच्चों को असुविधा न हो।

-दिल्ली सरकार के स्कूलों को 17 नगर निगम के स्कूलों और क्षेत्र की सभी 62 आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ जोड़ा जायेगा ताकि 3 साल से लेकर 18 साल की उम्र तक हर बच्चे को शिक्षा का अच्छा अवसर मिले।

सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूल

-क्षेत्र के सभी 11 सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी वहीं शैक्षिक सुविधा दी जाएगी जो दिल्ली सरकार के स्कूलों के बच्चों को मिलती है। यहाँ पढ़ने वाले बच्चों की भी शैक्षिक प्रगति को लगातार ट्रैक किया जाएगा।

-सुनिश्चित किया जाएगा कि शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, सभी सहायता प्राप्त स्कूलों की ग्रांट समय से वितरित करें।

-किसी भी प्राइवेट स्कूल को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की इजाज़त नहीं होगी।

-टीचर्स और प्रिंसिपल्स का सम्मान, सुविधाएँ और ट्रेनिंग के अवसर।

-डीआईईटी दरियागंज को आधुनिक ट्रेनिंग और रिसर्च सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि टीचर्स को पढ़ने-पढ़ाने के नए तरीके विकसित करने की प्रेरणा और सपोर्ट मिल सके।

-सभी टीचर्स और प्रिंसिपल्स को देश-विदेश में ट्रेनिंग के नए अवसर मिलेंगे।

-मेरे साथ हर महीने शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में सभी टीचर्स और प्रिंसिपल्स भाग ले सकेंगे।

बच्चों के लिए नए अवसर

-जिन स्कूलों में तमिल एवं अन्य दक्षिण भारतीय समाज के परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं उनमें तमिल एवं अन्य भाषाएँ पढ़ाने के लिए टीचर्स नियुक्त किए जाएंगे।

-हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू के साथ साथ उन भारतीय भाषाओं के टीचर्स भी रखे जाएँगे जो यहाँ पढ़ने वाले बच्चों की मातृ भाषा है।

-बच्चों की अंग्रेज़ी में बातचीत करने की दक्षता विकसित करने के लिए स्पोकेन इंग्लिश के कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। साथ ही जर्मन, फ्रेंच और जापानी भाषा के भी कोर्स शुरू किए जाएंगे।

-वोकेशनल विषय को आने वाले कल की ज़रूरत के हिसाब से तैयार किया जाएगा ताकि स्कूली शिक्षा पूरी करने की बाद अगर कोई बच्चा काम करना चाहे, या काम के साथ आगे की पढ़ाई करे तो उसे सही रोज़गार मिल सके।

-स्कूल की छुट्टी के बाद स्कूलों में डांस, ड्रामा, आर्ट्स, स्पोर्ट्स जैसी ट्रेनिंग आयोजित की जाएंगी ताकि बच्चों का ऑल राउंड डेवलपमेंट हो सके।

-आईटीआई हज़रत निज़ामुद्दीन में वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी के साथ नए कोर्स शुरू किए जाएंगे जो कि रोज़गार के नए अवसर तैयार करेंगे।

-छात्राओं में खुद की सुरक्षा के लिए उच्च स्तर के स्वसेल्फ डिफेंसस्र कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

-स्कूलों से पास होकर निकलने वाले सभी बच्चों को अगले चार साल तक ट्रैक किया जाएगा ताकि उच्च शिक्षा और रोज़गार में उनकी मदद की जा सके।

-इन बच्चों को एलुमनी ग्रुप के ज़रिए इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि वो अपने स्कूल से जुड़े रहें और जूनियर्स को गाइड करें।

मेगा पीटीएम के अलावा हर महीने विशेष पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग होगी। ताकि सभी अभिभावक अपने बच्चे की प्रगति से लगातार जुड़े रहें। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी को और सपोर्ट दिया जाएगा, ताकि वो ज़्यादा से ज़्यादा पैरेंट्स को अपने बच्चे की शिक्षा में सहभागी बना सकें और स्कूल प्रिंसिपल्स को भी बेहतर मदद दे सकें।

सरकारी स्कूलों की तरह ही क्षेत्र के सभी सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं दी जाएंगी और निजी स्कूलों को मनमाना फीस नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। साथ ही, हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू के साथ उन भारतीय भाषाओं के टीचर्स भी रखे जाएंगे जो वहां पढ़ने वाले बच्चों की मातृ भाषा है।

10 वर्षों में ठगे गए दिल्ली के लोग अब कांग्रेस को अपने एकमात्र विकल्प के रूप में देख रहे हैं- देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए हर तरह की, हर संभव कोशिश करने के लिए लगातार आगे बढ़ रही हैं। दोनो पार्टी वोट काटने, फर्जी वोट बनाने और विशेष समुदाय के वोट बनाने और काटने की बयानबाजी जो सार्वजनिक तौर पर जनता के बीच कर रही हैं, वो सब दिल्ली की परेशानियों से ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है, जबकि कांग्रेस पार्टी लोगां के लिए, लोगों के बीच, जनता की सुविधाओं के लिए काम करने की बात कर रही है।

यादव ने कहा कि 2014 से भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनां वोट हासिल करने के लिए फर्जी हथंकडे अपना रही हैं। चुनावी दौर में दोनो पार्टियां महंगाई, बेरोजगारी जैसे जनता से सीधे जुड़े विषयों पर बोलने से कतरा रही है क्योंकि पिछले 11 वर्षों ने दोनो की भागीदारी के कारण ही दिल्ली बेरोजगारी में नम्बर वन बनी है और महंगाई की मार लगभग 2.5 करोड़ जनता झेल रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ अरविन्द केजरीवाल झूठे वादों के सहारे वोट बटौरने की चाल चल रहे है और भाजपा उनकी चालों पर आरोप लगाने का काम कर रही है। पिछले लंबे समय से यह ड्रामा दिल्ली की जनता देख रही है और दोनो एक दूसरे की चुनावी प्रचार को नौटंकी करार दे रहे है, लेकिन इन्हें जनता के हितों, अधिकारों, विकास और कल्याण से कोई सरोकार नही है।

उन्होंने कहा कि कोई रोहिंग्या शरणार्थियों के वोट कटवा रहा है, तो कोई पूर्वांचलवासियों के वोट कटवा रहा है। मैं अरविन्द केजरीवाल से पूछना चाहता हूँ कि बिना पुख्ता दस्तावेजों के इन लोगों के वोट बन कैसे गए? कहीं केजरीवाल सरकार में तो छेद नही? जिस रास्ते से इतनी बड़ी मात्रा में अवैध वोट बने है। मैं इसलिए कह रहा हूँ कि सरकार तो पिछले 11 वर्षों से केजरीवाल की है दिल्ली में। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की 15 साल सरकार रही, परंतु भ्रष्टाचार या किसी भी तरह की अनैतिक प्रशासनिक कार्यवाही पर किसी ने उंगली तक नही उठाई। परंतु केजरीवाल की सरकार पर आरोप और भ्रष्टाचार की गिनती तो रुक ही नही रही है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि चुनाव के नजदीक आने पर मरम्मत सड़कों और पुलों पर रिबन काटकर मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी के नेता फोटो खिंचवाकर अपने झूठे विकास की बात कर रहे है।

यादव ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी और कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों के बीच दिल्ली के विकास की बात कर रहे है, मंहगी बिजली, गंदा पानी से राहत, दुरस्त परिवहन व्यवस्था, बेहतर शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, प्रदूषण से मुक्ति, यमुना के पानी को पेयजल बनाने, गंदगी, कूड़े सहित सड़कों के पुनर्निमाण, नालों और नालियों को पूरी सफाई करने की चर्चा करके लोगों को नरक बन चुकी दिल्ली से निजात दिलाऐंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच शीला दीक्षित सरकार के 15 वर्षों के विकास के कामों की चर्चा भी जनता के बीच कर रहें है, और जनता भी शीला दीक्षित को और उनके द्वारा किए गए कामों को दोहरा कर कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की बात कर रही है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की वास्तविक बदहाली को मैंने एक महीने की दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान नजदीकी से महसूस किया है, जब हर गली, मौहल्ले, छोटी बड़ी कॉलोनियों, झुग्गी व मलीन बस्तियों, ग्रामीण व शहरीकृत गांवों सहित सड़कों पर रहने को मजबूर लोगों की जीवन संघर्ष को उनके साथ चर्चा करके देखा। उन्होंने कहा कि भाजपा और केजरीवाल के कुशासन, भ्रष्टाचार और अवसरवादी राजनीति के कारण दिल्ली पूरी तरह बर्बाद हो गई है। सही आंकलन किया जाए तो दिल्ली विकास के क्षेत्र में 50 वर्ष पिछड़ गई है।

डॉ. मनमोहन सिंह के समाधि स्थल को लेकर बड़ा अपडेट, संजय गांधी के बगल में मिल सकती है जगह

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के समाधि स्थल के लिए संजय गांधी के स्मारक के पास जगह मिल सकती है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने राजघाट स्थित तीन स्थानों का निरीक्षण किया जिसमें एकता स्थल और राष्ट्रीय स्मृति स्थल के पीछे की खाली जमीन शामिल है। सरकार जल्द ही अंतिम फैसला लेगी। केंद्र ने डॉ. सिंह के लिए एक स्मारक बनाने के कांग्रेस के अनुरोध पर भी सहमति जताई।

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को इंदिरा गांधी के बेटे सांसद रहे संजय गांधी के स्मारक के बगल में जगह मिल सकती है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने शनिवार के बाद रविवार को फिर से राजघाट स्थित संजय गांधी के स्मारक सहित तीन स्थानों का निरीक्षण किया, जिसमें संजय गांधी के स्मारक के अलावा एकता स्थल के साथ-साथ राष्ट्रीय स्मृति स्थल के पीछे की तरफ स्थित खाली पड़ी जमीन शामिल है।

शहरी विकास मंत्रालय के 12 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी रविवार को भी राजघाट पर अलग-अलग स्थान का निरीक्षण करते रहे। जिसमें उन्होंने एक स्थान एकता स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहा राव की समाधि के पास भी देखा।

संजय गांधी की समाधि स्थल के पास खाली पड़ी भूमि पर पूर्व प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह स्मारक बनाने का किया जा रहा विचार।

एकता स्थल पर मौजूद हैं नौ समाधियां

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि राजघाट के एकता स्थल पर चार पूर्व राष्ट्रपतियों और तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों की समाधियां हैं। ये पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, शंकर दयाल शर्मा, केआर नारायणन और आर. वेंकटरमण हैं। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, आईके गुजराल और पीवी नरसिम्हा राव हैं।

इस सुविधा में नौ लोगों के लिए जगह है, जिनमें से सात समाधियां बनी हुई हैं। लेकिन कांग्रेस के अनुरोध से स्पष्ट है कि वे और जगह चाहते हैं और उस अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है।

स्मारक बनाने पर भी सहमति

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डॉ. सिंह के लिए एक स्मारक बनाने के कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के अनुरोध पर भी सहमति जताई है। ऐसे में संभावना यही जताई जा रही है कि एकता स्थल पर डॉ. सिंह की समाधि नहीं ही बनेगी। संजय गांधी की समाधि के पास ही डॉ. मनमोहन की सिंह की समाधि बनाई जा सकती है। हालांकि राष्ट्रीय स्मृति के पीछे की तरफ भी एक स्थान का निरीक्षण किया गया है।

केंद्र सरकार लेगी अंतिम फैसला

केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि सोमवार तक इस बारे में अंतिम फैसला हो जाने की संभावना है। रविवार को किए गए निरीक्षण के तथ्य सोमवार को केंद्र सरकार के सामने रखे जाएंगे। सरकार द्वारा इस बारे में अंतिम फैसला लिया जा सकेगा।

यहां बता दें कि कि संजय गांधी की समाध के बगल में ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की समाधि है, इसका परिसर 40 एकड़ में फैला हुआ है।

महिला सम्मान योजना का फॉर्म भरवाने का विरोध करने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष से मारपीट

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की महिला सम्मान योजना का विरोध करने पर भाजपा के विनोद नगर मंडल अध्यक्ष आशीष गुप्ता से मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर भाजपा नेताओं ने मंडावली थाने के बाहर हंगामा भी किया। दिल्ली पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

पूर्वी दिल्ली। मंडावली में शनिवार को आम आदमी पार्टी की महिला सम्मान योजना का फॉर्म भरवाए जाने का विरोध करने पर भाजपा के विनोद नगर मंडल अध्यक्ष आशीष गुप्ता से मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर भाजपा नेताओं ने थाने के बाहर हंगामा भी किया।

इस पर मंडावली थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर जानबूझ कर चोट पहुंचाने, गलत तरीके से रास्ता रोकने, धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

भाजना नेता ने क्या कहा?

पीड़ित आशीष ने शिकायत में बताया कि वह शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे निजी काम से कहीं जा रहे थे। मंडावली में राम गली नंबर-नौ में एमसीडी स्कूल के पास आम आदमी पार्टी के तीन-चार कार्यकर्ता कुछ महिलाओं से जानकारी लेकर उनका फॉर्म भरवा रहे थे।

उन्होंने दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल कल्याण विभाग के विज्ञापन का हवाला देते हुए इसका विरोध कर दिया। यहां तक कह दिया कि ऐसी कोई स्कीम नहीं है। इस पर फॉर्म भरवा रहे लोगों ने आशीष से मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित ने शिकायत में आरोप लगाया है कि मारपीट करने वालों में मोहम्मद असलम और उसका भाई सोहेल शामिल। दोनों उनको धमकी भी दी है। सूत्रों के मुताबिक, दूसरे पक्ष ने भी मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस शिकायत के आधार पर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

कांग्रेस नेता की शिकायत और एलजी का एक्शन, महिला सम्मान योजना की जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने गठित की टीमें

दिल्ली पुलिस ने महिला सम्मान योजना के तहत महिलाओं की निजी जानकारी एकत्र करने के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की शिकायत के बाद जांच के आदेश दिए थे। पुलिस ने उन शिविरों की पहचान करने के लिए कई टीमों का गठन किया है जहां महिलाओं का पंजीकरण किया जा रहा है।

नई दिल्ली। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी की महिला सम्मान योजना के लिए पंजीकरण के नाम पर महिलाओं की निजी जानकारी एकत्र करने के राजनीतिक दलों के आरोप पर जांच करने के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस भी सक्रिय हो गई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस ने उन शिविरों की पहचान करने के लिए कई टीमों का गठन कर दिया है। जहां महिलाओं का पंजीकरण किया जा रहा है।

अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में 15 पुलिस जिले हैं। हमने वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की ठीक से जांच करने का आदेश दिया है। डीसीपी की निगरानी में टीमें समन्वय के साथ काम करेंगी।

कांग्रेस नेता ने की थी जांच की मांग

उपराज्यपाल ने कांग्रेस नेता और पार्टी के नई दिल्ली विधानसभा सीट के उम्मीदवार संदीप दीक्षित की शिकायत के आधार पर जांच का आदेश दिया, जिन्होंने हाल ही में वीके सक्सेना से मुलाकात की थी। एलजी के प्रमुख सचिव ने शनिवार को मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को संबोधित एक पत्र में कहा था कि उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव से गैर-व्यक्तियों द्वारा व्यक्तिगत विवरण और फार्म एकत्र करने के मामले में मंडलायुक्त के माध्यम से जांच कराने के लिए कहा है।

कार्रवाई करने का दिया है निर्देश

पत्र में कहा गया है कि पुलिस आयुक्त फील्ड अधिकारियों को लाभ के लिए नामांकन के नाम पर नागरिकों की निजी जानकारी एकत्र करके उनकी गोपनीयता का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दे सकते हैं। आम आदमी पार्टी के स्वयंसेवक कथित तौर पर योजना के तहत महिलाओं का पंजीकरण कर रहे हैं।

बताते चलें कि 25 दिसंबर को कांग्रेस नेता दीक्षित ने एलजी से मुलाकात की और महिला सम्मान योजना के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं, जिसके तहत आप ने 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक पात्र महिला को 2100 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है।

क्या है योजना और क्यों है विवाद?

महिला सम्मान योजना को आतिशी कैबिनेट ने 12 दिसंबर को मंजूरी दी थी। फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं से योजना का लाभ पाने के लिए पंजीकरण कराने की अपील की और पार्टी की ओर से इसे लेकर अभियान भी शुरू किया गया।

आप ने महिलाओं से वादा किया कि अगर आगामी विधानसभा चुनावों में उसकी सरकार फिर से बनती है तो महिलाओं को योजना के तहत 2,100 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे।

बता दें, केजरीवाल जब मुख्यमंत्री थे, तब आबकारी घोटाले में जेल जाने से पहले उन्होंने इस योजना की घोषणा की थी। उस समय महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये दिए जाने का वादा किया गया था। आतिशी ने अपने पूर्ववर्ती की घोषणा को ही अमलीजामा पहनाया था। इसी के बाद विवाद शुरू हो गया।

इसी क्रम में 25 दिसंबर को महिला एवं बाल विकास विभाग ने समाचारपत्रों में एक विज्ञापन प्रकाशित कराकर न सिर्फ महिला सम्मान योजना, बल्कि संजीवनी योजना का अस्तित्व भी नकार दिया। संजीवनी योजना भी आप ने विधानसभा चुनावों में बुजुर्ग मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए घोषित की थी। इसके लिए भी आप बुजुर्गों का पंजीकरण करा रही है।

एकल मां के बेटे को जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, दिए ये निर्देश

दिल्ली हाईकोर्ट ने एकल मां के साथ रहने वाले नाबालिग लड़के को जाति प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार करने के मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि एकल मां के बेटे को जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार करना स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे दो हफ्ते में याचिकाकर्ता के आवेदन पर फिर से विचार करें।

नई दिल्ली। जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार करने के खिलाफ एक नाबालिग लड़के की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए पक्ष में आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ ने कहा कि एकल मां के साथ रह रहे ऐसे बच्चे को जाति प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार करना स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की मां को उसके पति ने पंद्रह साल से अधिक समय से अकेले ही माता-पिता की जिम्मेदारियां पूरी करने के लिए छोड़ दिया था। ऐसे में पति द्वारा लंबे समय तक परित्याग करना अलगाव के बराबर है।

उक्त टिप्पणियों के साथ अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जाति प्रमाण पत्र के लिए याचिकाकर्ता के आवेदन की दो सप्ताह में समीक्षा करें। साथ ही स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता की मां के पास तलाक या न्यायिक अलगाव की औपचारिक डिक्री नहीं होने के कारण उसके जाति प्रमाण पत्र संबंधी आवेदन को केवल खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

पति से अलग रह रही है महिला

अदालत ने नोट किया कि लड़के की मां भी अनुसूचित जाति (एससी) से है और उसके अपने अलग रह रहे पति के साथ तनावपूर्ण संबंध हैं। हालांकि, कुछ समय पहले शुरू हुई तलाक की कार्यवाही को बाद में पति ने आगे नहीं बढ़ाया और इसके कारण मामला खारिज कर दिया गया।

बिना तलाक के भी बनेगा जाति प्रमाण पत्र

अदालत ने यह भी नोट किया कि तलाकशुदा या एकल मां द्वारा दायर आवेदन पर बच्चों को जाति प्रमाण पत्र देने की अनुमति देने के संबंध में परिपत्र जारी हुए हैं। कोर्ट में कहा कि इन परिपत्रों में याची की मां भी शामिल होगी, भले ही उसके पास औपचारिक तलाक की डिक्री न हो।

याची ने तर्क दिया कि उसके पिता ने वर्ष 2011 में उसकी मां से तलाक के लिए अर्जी दी थी, लेकिन बाद में कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाने के कारण मामला वर्ष 2014 में बंद कर दी गई। कई आवेदनों के बावजूद याचिकाकर्ता के जाति प्रमाण पत्र के अनुरोध को अधिकारियों द्वारा बार-बार अस्वीकार कर दिया गया। अधिकारियों ने तर्क दिया कि आवेदन में पिता का जाति प्रमाण पत्र अवश्य शामिल होना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि 20 जुलाई 2020 और 13 जुलाई, 2022 को जारी परिपत्रों के अनुसार अलग हो चुकी या एकल माताओं के बच्चों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति है। हालांकि, सरकार ने उसके आवेदन को रद कर दिया।

नौ दिन बाद हिंडन बैराज के पास बरामद हुई 400 वर्ष पुरानी भागवत गीता, रामलीला मैदान से हो गई थी चोरी

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में हिंडन बैराज के पास से 400 साल पुरानी भागवत गीता बरामद हुई है। यह गीता 19 दिसंबर की रात प्रताप विहार ई ब्लाक रामलीला मैदान से चोरी हो गई थी। पुलिस ने शनिवार शाम को इसे एक प्लास्टिक के कट्टे से बरामद किया। रविवार को पुलिस ने कथा वाचक को महापुराण सौंप दिया। श्रद्धालुओं में खुशी की लहर है।

गाजियाबाद। प्रताप विहार ई ब्लाक रामलीला मैदान में 19 दिसंबर की रात 400 वर्ष पुरानी भागवत गीता चोरी हो गई थी। पुलिस ने शनिवार शाम हिंडन बैराज के पास एक प्लास्टिक के कट्टे से भागवतगीता को बरामद कर लिया है। रविवार को पुलिस ने कथा वाचक को महापुराण सौंप दिया। इसके बाद श्रद्धालुओं में खुशी की लहर है।

एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी के मुताबिक ई-ब्लॉक रामलीला मैदान प्रताप विहार में राजेश शर्मा भागवत कथा का आयोजन किया था। 19 दिसंबर की रात आयोजन स्थल से भागवत गीता चोरी हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। शनिवार शाम करीब छह बजे पुलिस को सूचना मिली कि हिंडन बैराज के पास हिंडन नदी के किनारे पर एक सफेद प्लास्टिक का कट्टा जिसका मुंह बंधा हुआ रखा है।

थाना प्रभारी ने कथावाचक को सौंपी भागवत गीता

सूचना के आधार पर हिंडन बैराज पर जाकर कट्टे को खोलकर देखा गया तो उसके अन्दर से श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ एक पीले कपड़े में लिपटा हुआ मिला। रविवार को हरिद्वार से आए संतो के साथ कथा वाचक कृष्णा संजय महाराज को विजयनगर थाना प्रभारी बृजेश कुमार ने भागवत गीता सौंप दी।

इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे

इस मौके पर राजेश शर्मा, सतबीर बेसोया, बीके शर्मा, यतेंद्र नागर, योगेंद्र वशिष्ठ, पंकज गोयल, पार्षद संतोष राणा, धर्मेंद्र गुर्जर, राजीव चौहान, अंबुज चौहान, अमृता मौर्य, सरिता यादव, हेमा नेगी, रेखा डिमरी, भावना शर्मा, रुचि वार्ष्णेय, सुमन नौटियाल, प्रदीप जादौन, भरत शर्मा और डा आरपी शर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

शिकायत में कही गई थी ये बात

भारतीय सनातन सेवा संस्थान द्वारा प्रताप विहार में 15 दिसंबर से भागवत कथा का आयोजन किया गया है। हरिद्वार स्थित मोहन गोकुलधाम के पीठाधीश्वर कृष्ण संजय यहां पर भागवत कथा कहते हैं। उनके पास 400 साल पुरानी भगवद् गीता है, जिसे पढ़कर वह कथा कहते हैं।

यहां पर रोजाना सैकड़ों लोग कथा सुनने के लिए आते हैं। बृहस्पतिवार की रात को भागवत कथा का पांचवां दिन था, रात को सभी लोग कथा खत्म होने पर घर गए। व्यास पीठ पर रखी भगवद् गीता रखी थी, यहां पर सुरक्षा के मद्देनजर दो लोगों की ड्यूटी लगाई गई थी। जैसे ही इसकी चोरी हुई, इसके बाद श्रद्धालुओं में काफी गुस्सा भर गया था।

नोएडा और गाजियाबाद में पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़, गोली लगने के बाद 6 बदमाश दबोचे गए

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के सेक्टर-30 में एक कारोबारी को परिवार समेत बंधक बनाकर लूटने वाले चार बदमाशों का पुलिस से मुठभेड़ हो गई। सेक्टर-20 पुलिस और स्वाट टीम ने बदमाशों की फायरिंग के जवाब में चारों को पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बदमाशों से लूट के दो लाख पांच हजार रुपये आधार कार्ड और डेबिट कार्ड बरामद किए हैं।

नोएडा। सेक्टर-30 में टायर कारोबारी को परिवार समेत बंधक बनाकर लूटने वाले चार बदमाशों से शनिवार रात सेक्टर-20 पुलिस की डीएलएफ नाले के पास मुठभेड़ हो गई। स्वाट टीम (SWAT) के साथ संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने बदमाशों की फायरिंग के जवाब में चारों को पैर में गोली मारकर घायल कर दिया।

चारों से लूट के दो लाख पांच हजार रुपये, आधार कार्ड, डेबिट कार्ड, पासपोर्ट, राशन कार्ड, घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा, स्कूटी, चोरी की स्पलेंडर बाइक, 315 बोर के चार तमंचे, पांच जिंदा कारतूस व छह खोखे कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस चारों से पूछताछ कर रही है।

गाजियाबाद में दो बदमाश दबोचे गए

उधर, गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर 3 में पुलिस और बदमाशों के बीच में मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दोनों बदमाशों की गिरफ्तार कर लिया। एक के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने तमंचा, कारतूस और चोरी की स्कूटी बरामद की है।

पुलिस को देख नाले की तरफ भागे बदमाश

डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि कारोबारी के घर लूट की वारदात करने वाले बदमाशों की लोकेशन डीएलएफ तिराहे के पास ट्रेस हुई थी। स्वाट टीम और सेक्टर-20 पुलिस ने वहां चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद स्कूटी और स्प्लेंडर बाइक पर आ रहे बदमाश टीम को देखकर नाले की तरफ भागने लगे। टीम ने पीछा किया तो वाहनों पर पीछे बैठे बदमाशों ने तमंचे से फायरिंग कर दी।

जवाब में अनस पुत्र अयाज निवासी न्यू अशोक नगर दिल्ली, शाहनवाज पुत्र सरफुद्दीन निवासी नयाबांस सेक्टर-15 नोएडा, समीर पुत्र सलीम, एजाज आलम पुत्र मोहम्मद जमील निवासी जेजे कॉलोनी सेक्टर-16, फेस-वन थाना नोएडा गोली लगने से घायल हो गए। टीम ने घेराबंदी कर चारों की तलाशी ली जिसमें कारोबारी के कागजात, नकदी और तमंचे व कारतूस व खोखे बरामद हुए।

कारोबारी को रा-धमकाकर लूटी थी नकदी

बता दें कि कारोबारी परमिंदर कौर ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 23 दिसंबर को पौने चार बजे तीन बदमाश घर में घुस गए थे। उन्होंने परिवार को डरा-धमकाकर घर से नकदी और अन्य सामान लूट लिया। बाद में उन्हें पति अमरदीप सिंह व बेटी डॉ. गुरकिरन कौर समेत उनकी स्विफ्ट गाड़ी में बंधक बनाकर ले गए। कुछ देर बाद बदमाश तीनों को रास्ते में गाड़ी समेत छोड़कर भाग गए थे।

उन्होंने पुलिस को डायल-112 पर कॉल करके सूचना दी थी। घटना में उन्होंने अपने सुरक्षा गार्ड पर भी बदमाशों के साथ शामिल होने का शक जताकर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। डीसीपी के मुताबिक, घायल बदमाशों का इलाज कराकर स्वाट टीम उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस इनके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज मुकदमों का भी पता कर रही है।

तीन दिन से जलापूर्ति ठप, 10 हजार से अधिक लोग परेशान; ठीक करने के मिल रहे आश्वासन

परिवहन विशेष न्यूज

साहिबाबाद के शालीमार गार्डन और राजेंद्र नगर में सीवर लाइन के मेंटेनेंस कार्य के चलते तीन दिन से जलापूर्ति ठप है। इससे 10 हजार लोग परेशान हैं। लोगों को पीने तक के लिए पानी खरीदना पड़ रहा है। जलकल विभाग के अधिकारियों ने सोमवार तक जलापूर्ति सामान्य करने का आश्वासन दिया है। इसको लेकर लोगों की लंबे समय से शिकायत थी।

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन व राजेंद्र नगर में सीवर लाइन के मेंटेनेंस कार्य के चलते बीते तीन दिन से जलापूर्ति ठप पड़ी हुई है। इससे 10 हजार लोग परेशान हैं। लोगों जरूरी कार्य तक नहीं कर पा रहे हैं। लोगों को पीने तक के लिए पानी खरीदना पड़ रहा है।

राजेंद्र नगर सेक्टर तीन की डीएलफल कालोनी व डीएवी स्कूल के बीच वाली सड़क पर सीवर लाइन मरम्मत का काम चल रहा है। इससे पानी की लाइन के पाइप भी निकाल दिए हैं। इससे यहां के दो हजार घरों में पानी की सप्लाई बीते तीन से बाधित है। पानी नहीं मिलने से लोग रोजमर्रा के कार्य तक नहीं कर पा रहे हैं।

लोगों को मजबूरन बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा

पानी की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को मजबूरन बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों पर आर्थिक भार भी पड़ रहा है। स्थानीय नरेंद्र सिंह ने बताया कि बीते तीन दिन से बिन पानी के रह रहे हैं। जलकल विभाग के अधिकारियों को काल कर शिकायत की गई तो उन्होंने जल्द आपूर्ति करने का आश्वासन दिया था। अभी तक पानी नहीं मिल सका है।

तीन दिन से पानी नहीं मिलने के कारण बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है। बिन पानी के रोजमर्रा के कार्य तक नहीं कर पा रहे हैं। अधिकारी भी कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। -शिव प्रताप सिंह, निवासी, राजेंद्र नगर सेक्टर तीन।

जलापूर्ति बंद करने की पहले से जानकारी नहीं दी थी। अगर जानकारी दे देते तो पानी स्टोर करके रखते। जरूरत के हिसाब से ही उपयोग करते। लगातार परेशानी बढ़ रही है। -विजय गुप्ता, निवासी, राजेंद्र नगर सेक्टर तीन।

सीवर लाइन की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। सोमवार तक जलापूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। लोगों की जरूरत के हिसाब से टैंकर से जलापूर्ति की जाएगी। -केपी आनंद, अधिशासी अभियंता, जलकल विभाग

कई इलाकों में भरा पानी

इसके अलावा बीते दिनों हुई बारिश से ट्रांस हिंडन के विभिन्न इलाकों में वर्षा का पानी अभी भी सड़कों पर भरा है। इससे कई इलाकों में सड़कें और बदहाल हो गई हैं। लोगों को घरों से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं, वाहन चालकों को जलभराव के कारण सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों में गड्ढे होने से वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं।

मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन-स्मारक बनाने सियासी बवाल तेज-भारत पूछता है ऐसे नेक व्यक्तित्व को भारत रत्न नोबेल क्यों नहीं मिला?

साहेब! मैं आवाक़ हूं!अभूतपूर्व सेवाओं उपलब्धियों रूपी हीरो की खान को,जीते जी भारतरत्न नहीं मिला पंचतत्व में विलीन के बाद तो संज्ञान लिया जाए?- **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

वैश्विक स्तरपर जब एक अद्भुत उपलब्धियों सेवाओं वित्तीय सुधारो के जनक कहे जाने वाले व्यक्तियों को अगर उस देश का ही सर्वोच्च सम्मान उसे जीते जी ना मिल पाए, तो मेरा मानना है यह उस देश के नागरिकों के लिए खेद की बात है, उन्हें तो नोबेल पुरस्कार भी मिलना चाहिए परंतु उन्हें नहीं मिल पाता है तो यह पूरे विश्व के लिए खेद की बात है, जिसका सटीक उदाहरण भारत के 10 वर्ष कार्यकाल के पूर्व पीएम व 1990-91 के वित्तीय सुधारो के जनक, अपनी जीरो टॉलरेंस वाली लाबी के धनी, कहीं कभी कोई पद नहीं मांगने वाले मौन व्यक्तित्व विपक्ष के चाहते व वर्तमान पीएम द्वारा संसद के हाल से सड़क तक कई बार उनकी तारीफ़ करने वाले व्यक्तित्व स्वर्गीय मनमोहन से हैं, जिनके देहांत के बाद जिस ज़ज्बे के साथ राष्ट्रपति से लेकर पीएम तक व सीएम से लेकर आम आदमी तक द्वारा उनकी बेहद तारीफें व उपलब्धियां को गिनाया गया हैं तो, स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठना लाजिमी है कि, ऐसे सर्वगुण संपन्न व्यक्ति को अभी तक भारत रत्न से महफूज़ क्यों रखा गया, उन्हें जीते जी भारत रत्न से क्यों नहीं नवाजा गया? क्या हम इसके लिए दोषी नहीं है, इसका संज्ञान हमें जरूर लेना चाहिए, व इस गलती को शीघ्र सुधार कर भारत वासियों के हृदय में हो रही जिज्ञासा को तुरंत शांत कर उचित समय देखकर भारतरत्न की घोषणा किया जाना समय की मांग है। मेरा व्यक्तिगत तो पर मानना है। हालांकि स्वर्गीय मनमोहन सीधे तौर से एक पार्टी के साथ थे, पर भारत के हर राजनीतिक दल के वे चहेते थे, साफ सुथरी छवि वाले व्यक्ति थे। मैं पूछना चाहता हूं आज उनके पांच तत्वों में विलीन होने के बाद उन्हें भारत रत्न देने की मांग करीब हर विपक्षी पार्टियों उठा रही है, तो उनके जीवित रहते हुए इतने जोर-जोर से यह आवाज़ क्यों नहीं उठाई गई? सूत्रों से ऐसा पता चला है कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इसकी पहल जरूर की थी परंतु वह कामयाब नहीं हो सके,'या फिर सत्ताधारी पक्ष ने पिछले 10 वर्षों में उनकी उपलब्धियां को क्यों नहीं पहचाना? जो आज अपने श्रृद्धाजंलियों में गिना रहे हैं इसका संज्ञान उन्हें जरूर लेकर लेना चाहिए। मैं मानता हूं कि यदि उन्हें जीते जी भारत रत्न मिलता तो उन्हें 100 प्रतिशत सटीक निर्णय में गिना जाता अगर अभी उनके पंचतत्व में विलीन के बाद उन्हें मिलता है, तो मेरी नजर में वह 50 प्रतिशत सटीक होगा, क्योंकि उन्हें तो पता ही नहीं चलेगा, क्योंकि चिट्ठी ना कोई संदेश न जाने कौन ऐसा देश जहां हो चले गए। परंतु अभी भी मौका है के 50 प्रतिशत को संज्ञानमें रखते हुए भी उन्हें भारत रत्न की घोषणा शीघ्र करने के लिए रेखांकित करना जरूरी है। इस तरह उन्हें नोबेल पुरस्कार के भी लिए भी नामित होना था,परंतु वह अवसर अभी विलुप्त हो गया है क्योंकि यह पुरस्कार केवल जीवित व्यक्तियों की कोई मिलता है। चूंकि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का शरीर पंचतत्व में विलीन अब स्मारक बनाने के सीआरसी बवाल तेज, भारत पूछता है ऐसे नेक व्यक्तित्व को भारत रत्न, नोबेल क्यों नहीं मिला। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मनमोहन सिंह क़े देहांत के बाद अभूतपूर्व उपलब्धियां सुनकर भारत पूछता है भारत रत्न जीवित रहते हुए क्यों नहीं मिला?

साथियों बात अगर हम पूर्व पीएम के पांच तत्वों में विलीन के बाद स्मारक बनाने, राजघाट में अंतिम संस्कार नहीं करने पर बवाल की करें तो,देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डॉ.मनमोहन सिंह का शनिवार को दिल्ली में निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। प्रोफेसर, आरबीआई गवर्नर, मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री जैसे पदों पर रहने के बाद डॉ. मनमोहन सिंह 10 साल प्रधानमंत्री भी रहे। उन्हें अब तक का सबसे ज्यादा शिक्षित प्रधानमंत्री माना जाता है केंद्र सरकार की दिल्ली में राजघाट परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए जगह आवंटित नहीं करने की आलोचना कीजा रही है। आप पार्टी ने तर्क दिया कि यह फैसला वैश्विक स्तरपर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाता है। सिंह का शनिवार को निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें भारत और विदेश से शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, ये खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया, इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था. सिख समाज से आने वाले, पूरी दुनिया में ख्याति प्राप्त,10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ मनमोहन सिंह जी के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए बीजेपी सरकार 1000 गज़ जमीन भी न दे सकी? पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल की 4 अहम बातें, (1) सुखबीर बादल ने कहा कि ये फैसला चौंकाने वाला और अविश्वसनीय है। यह अत्यंत निंदनीय है कि केंद्र सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार की उस अनुरोध को ठुकरा दिया, जिसमें उन्होंने देश के इस महान नेता के अंतिम संस्कार और अंतिम क्रियाकर्म के लिए एक ऐतिहासिक और उपयुक्त स्मारक बनाने की जगह मांगी थी। (2) राजघाट पर अंतिम संस्कार होना चाहिए था उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार का स्थान राजघाट होना चाहिए था। यह पुरानी प्रथा और परंपरा के अनुरूप होता जो पहले से चली आ रही है। यह समझ से परे है कि सरकार इस महान नेता के प्रति ऐसा असम्मान क्यों दिखा रही है, जो सिख समुदाय के पहले और एकमात्र व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचने का गौरव प्राप्त किया।(3) केंद्र सरकार की पक्षपातपूर्ण नीति सुखबीर बादल ने कहा कि यह विश्वास करना मुश्किल हो रहा है। भाजपा सरकार की पक्षपातपूर्ण नीति इस स्तर तक जा सकती है। जहां वह डॉ. मनमोहन सिंह के वैश्विक कद को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है, जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में आदर और सम्मान के पात्र हैं। डॉ. मनमोहन सिंह ने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

साथियों बात अगर हम स्वर्गीय मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने संबंधी बुलंद मांग की करें तो,एक समय ऐसा भी था, जब मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने की चर्चा जोरों पर थी। हालांकि, इसकी संभावनाएं सिर्फ चर्चाओं तक ही सीमित होकर रह गईं। इस बीच 2023 में प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपनी किताब प्रणब माई फादर, अ डॉटर रिमेंबर में इससे जुड़ा एक बड़ा दावा किया था। शर्मिष्ठा के मुताबिक, प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति रहते हुए मनमोहन सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करना चाहते थे। शर्मिष्ठा ने किताब में लिखा है कि 30 अक्तूबर 2013 को उनके पिता ने इससे जुड़ी बातें अपनी डायरी में लिखीं। उन्होंने तत्कालीन कैबिनेट सचिव को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के प्रधान सचिव से बात करने के लिए कहा था। प्रणब ने कहा था कि कैबिनेट सचिव को पुलक को संदेश देना चाहिए कि वह इस संबंध में तब यूपीए की अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी से बात करें। किताब में शर्मिष्ठा ने बताया कि मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने की इस मांग के बारे में प्रणब मुखर्जी की किताब में आगे कोई जिक्र नहीं मिलता। ऐसे में यह साफ नहीं है कि पुलक चटर्जी ने यह बात सोनिया गांधी से की भी या नहीं। शर्मिष्ठा का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि डॉ. मनमोहन सिंह को देश का सर्वोच्च सम्मान देने की इस मांग पर आगे क्या हुआ।इतना ही नहीं, शर्मिष्ठा का कहना है कि कुछ आपसी मतभेदों के बावजूद प्रणब मुखर्जी हमेशा से मनमोहन सिंह के प्रशंसक रहे। प्रणब 1991 से 1996 के बीच वित्त मंत्री के तौर पर देश में किए गए आर्थिक सुधारों और 2008 की आर्थिक मंदी के दौरान प्रधानमंत्री के तौर पर भारत की अर्थव्यवस्था को संभालने का श्रेय मनमोहन सिंह को ही देते थे। कांग्रेस नेताओं ने शनिवार को उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया, जिन्होंने भारत को वित्तीय संकट से बाहर निकाला और उनके अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए समर्पित स्थल आवंटित नहीं करने के लिए केंद्र की आलोचना की। इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं ने मनमोहन सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए, ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए. डॉ. मनमोहन सिंह हमारे सर्वोच्च सम्मान (भारत रत्न) और समाधि स्थल के हकदार हैं. सरकार को देश के इस महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, वह एक शानदार अर्थशास्त्री थे. उन्होंने 1990 के दशक में भारत के आर्थिक सुधारों को दिशा दी और देश के इतिहास में एक अहम मोड़ पर उसकी दिशा तय की, भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी नेतृत्व क्षमता शांति, ईमानदारी और देशवासियों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता से परिपूर्ण थी. डॉ. सिंह के योगदान ने हमारे आर्थिक और राजनीतिक सिस्टम पर गहरी छाप छोड़ी है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के चचेरे भाई ने मांग की है कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए. देहरादून में रहने वाले अमरजीत सिंह ने का कहना है कि ऐसा आदमी अरबों में से एक होता है, जोकि देश के प्रति समर्पित होता है उनको कोई लालच नहीं था. उनके पास अपना कुछ भी नहीं है, न बैंक बैलेंस और न कोई प्रॉपर्टी. सिंपल लिविंग और उनकी सोच ऊंची थी मनमोहन सिंह वह रत्न थे जो अमर रहेंगे. उनके जाने से देश को बड़ी क्षति हुई है उन्होंने अपने नेतृत्व में देश को जिस बुलंदियों पर पहुंचाया है वह सभी जानते हैं. अलका लांबा बोलीं; हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि ऐसे रत्न को भारत रत्न दिया जाना चाहिए. वह इसकी मांग सरकार से करेंगे और पार्टी की मीटिंग में भी इस मांग को रखेंगे। मनमोहन सिंह भारत रत्न के हकदार हैं 10 साल प्रधानमंत्री रहे उसके बाद 10 साल तक वह इसी निवास से देश की हर व्यवस्था को देखा. देश को आर्थिक संकट से उबारने में उनका जो योगदान रहा वह भुलाया नहीं जा सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन- स्मारक बनाने सियासी बवाल तेज- भारत पूछता है ऐसे नेक व्यक्तित्व को भारत रत्न नोबेल क्यों नहीं मिला?मनमोहन सिंह क़े देहांत के बाद अभूतपूर्व उपलब्धियां सुनकर, भारत पूछता है, उन्हें भारत रत्न जीवित रहते हुए क्यों नहीं मिला?साहेब! मैं आवाक़ हूं! अभूतपूर्व सेवाओं उपलब्धियों रूपी हीरो की खान को, जीते जी भारतरत्न नहीं मिला पंचतत्व में विलीन के बाद तो संज्ञान लिया जाए?

ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड लांच, देती है इतनी माइलेज

परिवहन विशेष न्यूज

चंडीगढ़। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने गुरुवार को पायनियर टोयोटा, चंडीगढ़ में ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड का लांच किया। यह कैमरी की 9वीं जनरेशन है, जो एडवांस्ड 5वीं जनरेशन की हाइब्रिड तकनीक से लैस है, जिसमें उच्च क्षमता वाली लिथियम आयन बैटरी है जो 169केडब्लयू (230पीएस) की अधिकतम पावर देती है। यह हाइब्रिड सिस्टम 25.49 किमीध्लीटर का माइलेज देती है। यह नया मॉडल नौ एसआरएस एयर बैग, बेहतर लेन-कीपिंग के लिए लेन ट्रेसिंग असिस्ट एलटीए सक्रिय सुरक्षा के लिए प्री-कोलिजन सिस्टम (पीसीएस) और फुल-स्पीड रेंज क्षमता के साथ डायनेमिक्स रडार क्रूज कंट्रोल (डीआरसीसी) जैसी कई सक्रिय और निष्क्रिय अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणालियां प्रदान करता है।

राजीव हांडा (वीपी सेल्स, पायनियर टोयोटा) कहते हैं कि 'ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल एक कार से कहीं बढक़र है। यह परिष्कृत शैली और विशिष्टता का प्रतिबिंब है और यह कार कार्बन एमिशन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है'। ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल की हाइब्रिड बैटरी आठ साल या 160,000 किलोमीटर की वारंटी के साथ आती है, (जो भी पहले आए)।

ओला इलेक्ट्रिक ने रचा इतिहास, देशभर में एक साथ खोले 3200 नए शोरूम

परिवहन विशेष न्यूज

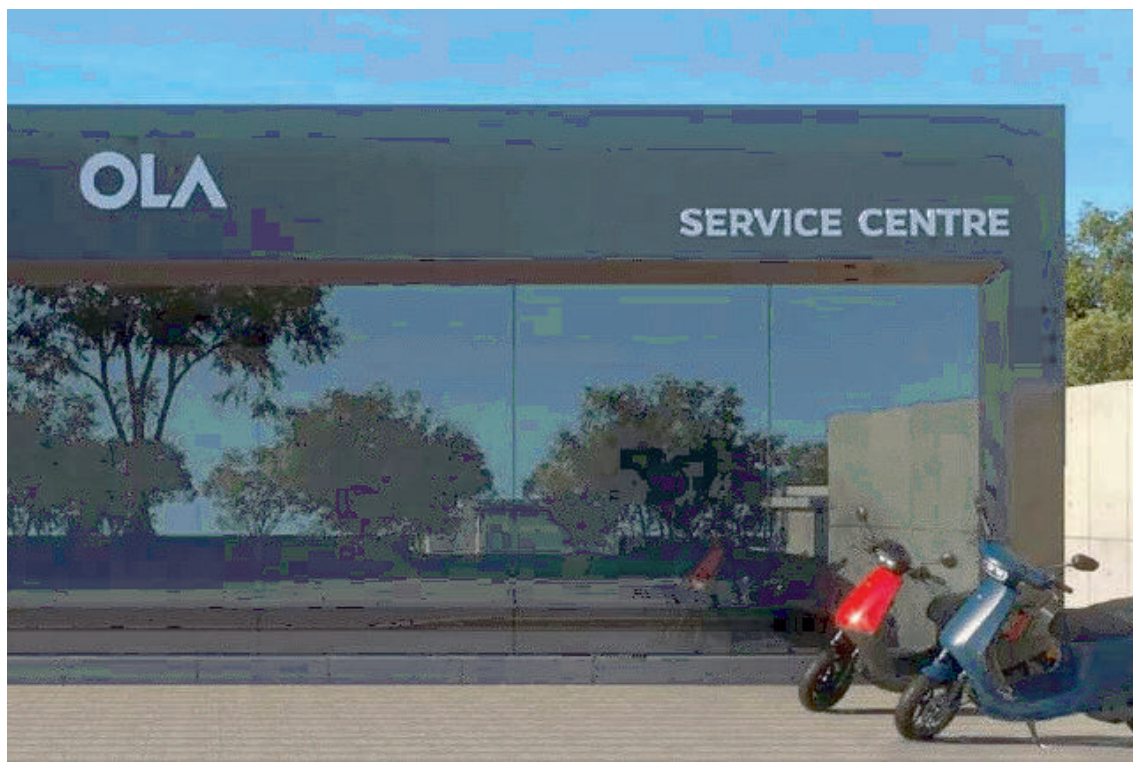

बेंगलुरू। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने आज पूरे देश में 3200 से अधिक नए शोरूम शुरू करने की घोषणा की जिससे उसके शोरूम की संख्या बढ़कर चार हजार हो गई है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 3200 से अधिक नए स्टोर खोले गए हैं जो सर्विस सेंटरों के साथ जुड़े हैं, इससे भारत में सबसे बड़े ईवी नेटवर्क का विस्तार हुआ है। यह विस्तार सिर्फ मेट्रो और टियर 1 तथा 2 शहरों तक ही नहीं है, बल्कि छोटे कस्बों और तहसीलों तक हुआ है, जिससे पूरे देश में ईवी की पहुंच और भी आसान हो गई है।

उसने आज अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर्स तक बढ़ाने की घोषणा की जो मौजूदा नेटवर्क से चार गुना ज्यादा है। यह दुनिया में ईवी नेटवर्क के सबसे बड़े विस्तारों में से एक माना जा रहा है, इस विस्तार से यकीनन देश में ईवी तक लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी और ईवी के क्षेत्र में बहुत बड़ा विकास होने की संभावनाएं भी काफी हद तक बढ़ जाएंगी साथ ही ईवी के प्रति भरोसा और उसे अपनाने को मजबूती भी मिलेगी। इस विस्तार के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने सेविंग वाला स्कूटर अभियान के तहत किए गए वादे को पूरा कर दिया है।

कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भाविष अग्रवाल ने कहा "हमने जो वादा किया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। भारत के ईवी के सफर में आज का दिन बहुत बड़ा है, क्योंकि हमने अपने नेटवर्क का विस्तार हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका तक कर दिया है। हमारे नए स्टोर्स, जो सर्विस सेंटर्स के साथ जुड़े हैं, उन्होंने ईवी खरीदने और उसे इस्तेमाल करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल दिया है। सेविंग वाला स्कूटर अभियान के साथ हमने नए मानक स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे हम उन्नत हो रहे हैं, हम इन्नोवेशन की सीमाओं को नया आयाम देने और देश को इंडआईसीईऐज की ओर तेजी से ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

इसके साथ ही कंपनी ने मूवओएस 5 बीटा के लिए प्रायोरिटी रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए है, जिसमें ग्रुप नेविगेशन, लाइव लोकेशन शेयरिंग, रोड ट्रिप मोड (ओला मैप्स द्वारा संचालित) जैसे फीचर्स शामिल हैं। कंपनी ने एस 1 पोर्टफोलियो पर लगभग 25,000 रुपए तक के ऑफरों की भी घोषणा की है।

बजाज ने लांच किया चेतक 35 सीरीज इलेक्ट्रिक स्कूटर, इतनी है कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

बजाज ऑटो ने अगली पीढ़ी के चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर से पर्दा उठाया। चेतक का नवीनतम अवतार एक नए प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसमें अतिरिक्त सुविधाएं हैं। वर्तमान में, चेतक तीन वेरिएंट में उपलब्ध है। चेतक की कीमत 120,000 रुपए से शुरू होकर 127,000 रुपए तक जाती है। अगली पीढ़ी के चेतक में नया फ्रेम लगा है जिसमें 3.5 केडब्ल्यूएचकी बैटरी लगी है, जो अब फ्लोरबोर्ड के नीचे लगी है। इसके साथ बजाज ऑटो 153 किमी की बड़ी रेंज का दावा करता है और स्कूटर में 950 डब्ल्यू का चार्जर भी मिलता है।

बजाज का दावा है कि यह सिर्फ 3 घंटे में 0-80 प्रतिशत चार्ज हो जाता है। कंपनी का यह भी दावा है कि नई बैटरी अब 3 किलोग्राम हल्की हो गई है। इसके अलावा चेतक में पिछली पीढ़ी के चेतक जैसे ही उपकरण हैं और इसमें 4 केडब्ल्यू की मोटर का इस्तेमाल किया गया है। दावा किया गया है कि इसका प्रदर्शन पहले जैसा ही है, जिसमें शीर्ष दो मॉडलों में 73 किमी प्रति घंटे और बेस 3503 मॉडल में 63 किमी प्रति घंटे की शीर्ष गति है।

ADAS जैसे बेहतरीन सेफ्टी फीचर के साथ लॉन्च हुईं ये कारें, कीमत 9.70 लाख रुपये से शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में इस साल कई बेहतरीन कारों को लॉन्च किया गया है। कई बेहतरीन फीचर्स और तकनीक वाली Cars And SUVs को भी भारत में लाया गया है। इस साल 30 लाख से सस्ती कुछ कारों को ADAS जैसे बेहद सुरक्षित Safety Feature के साथ भी लॉन्च किया गया है। ये कौन सी कारें हैं इनकी कीमत क्या है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में हर साल वाहन निर्माताओं की ओर से बेहतरीन कारों को डिजाइन और नई तकनीक के साथ लॉन्च किया जाता है। साल 2024 में भी देश में कुछ ऐसी Cars and SUVs को लॉन्च किया गया है। जिनको ADAS जैसे Safety Feature के साथ लाया गया है। 30 लाख रुपये से कम कीमत पर किन कारों को इस सेफ्टी फीचर के साथ लॉन्च किया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda Amaze 2024

जापानी वाहन निर्माता होंडा की ओर से हाल में ही अपनी कॉम्पैक्ट सेडान कार Honda Amaze 2024 को भारत में लॉन्च किया गया है। इस कार में कंपनी की ओर से ADAS जैसे सेफ्टी फीचर को ऑफर किया है। यह फीचर इस सेगमेंट में पहली बार किसी कार में दिया गया है। इस फीचर के साथ Honda Amaze 2024 की इंट्रोडक्ट्री एक्स शोरूम कीमत 9.70 लाख रुपये से शुरू हो जाती है।

Mahindra XUV 3XO

महिंद्रा की ओर से अप्रैल 2024 में कॉम्पैक्ट एसयूवी के तौर पर Mahindra XUV 3XO को लॉन्च किया गया है। इस एसयूवी में कई सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स को दिया गया था, जिसमें ADAS जैसा सेफ्टी फीचर भी शामिल है। इस फीचर के साथ इसकी एक्स शोरूम कीमत 12.24 लाख रुपये से शुरू होती है।

Kia Sonet 2024

किआ की ओर से सोनेट एसयूवी को भी कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। इस एसयूवी के GTX Plus वेरिएंट में ADAS को दिया गया है। जिसकी एक्स शोरूम कीमत 14.82 लाख रुपये से शुरू हो जाती है।

Hyundai Creta Facelift

हुंडई की ओर से क्रेटा के फेसलिफ्ट को जनवरी 2024 में लाया गया था। जिसमें डिजाइन को पूरी तरह बदला गया था और कई बेहतरीन फीचर्स को दिया गया था। इस एसयूवी को ADAS के साथ भी ऑफर किया गया था। इस फीचर के साथ एसयूवी की एक्स शोरूम कीमत 15.98 लाख रुपये से शुरू होती है।

Mahindra Thar Roxx

14-15 अगस्त 2024 को महिंद्रा ने अपनी दमदार एसयूवी थार के फाइव डोर वर्जन Mahindra Thar Roxx को लॉन्च किया था। कंपनी की इस एसयूवी में भी ADAS को ऑफर किया गया है। इस एसयूवी को इस फीचर के साथ 17 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

Tata Curvv

टाटा की ओर से कूप एसयूवी के तौर पर कर्व के पेट्रोल वर्जन को सितंबर महीने में लाया गया था। इस एसयूवी के ADAS वर्जन को 17.50 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

Hyundai Creta N Line

हुंडई ने जनवरी में क्रेटा को लॉन्च किया था और कुछ समय बाद इसके स्पोर्टी वर्जन N Line को भारत में लॉन्च किया था। इसमें भी ADAS को ऑफर किया गया था। जिसकी एक्स शोरूम कीमत 19.34 लाख रुपये है।

Hyundai Alcazar Facelift

हुंडई की ओर से सात सीटों के विकल्प के साथ अल्काजार के फेसलिफ्ट वर्जन को भी इसी साल में लॉन्च किया गया था। जिसमें कई बदलावों के साथ कुछ फीचर जोड़े गए थे, जिनमें ADAS भी शामिल था। इस फीचर के साथ इसे 19.46 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया गया है।

Tata Curv EV

टाटा की ओर से कूप एसयूवी के तौर पर कर्व के पेट्रोल-डीजल वर्जन के साथ ही इलेक्ट्रिक वर्जन को भी लॉन्च किया गया था। जिसे ADAS के साथ लाया गया है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 22 लाख रुपये है।

BYD eMAX7

चीन की वाहन निर्माता BYD की ओर से eMAX7 को भी साल 2024 में लॉन्च किया गया है। इस इलेक्ट्रिक एमपीवी में भी ADAS को दिया गया है। जिसकी एक्स शोरूम कीमत 29.30 लाख रुपये से शुरू होती है।

एमजी साइबर्सस्टर ईवी में मिलेंगे चार रंगों के विकल्प, कई खासियतों के साथ होगी जनवरी 2025 में होगी लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

ब्रिटिश वाहन निर्माता JSW MG की ओर से जल्द ही नई इलेक्ट्रिक सुपर कार को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से जानकारी दी गई है कि जनवरी 2025 में MG Cyberster EV को भारत लाया जाएगा। इस कार को कितने रंगों के विकल्प में लाया जा सकता है। किन खूबियों के साथ इसे भारत में लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। ब्रिटिश कार निर्माता JSW MG की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में कारों और एसयूवी की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से जल्द ही इलेक्ट्रिक सुपर कार के तौर पर MG Cyberster EV को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। इसमें कितने रंगों का विकल्प दिया जा सकता है। कितनी दमदार बैटरी और मोटर को दिया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

MG Cyberster होगी लॉन्च

भारतीय बाजार में एमजी की ओर से MG Cyberster EV को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक जनवरी 2025 में इस गाड़ी को देश में लॉन्च किया जाएगा। उम्मीद है कि इसे Auto Expo 2025 के दौरान ही लॉन्च किया जाएगा और कुछ समय बाद से ही इसे बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

कितने रंगों के विकल्प में मिलेगी गाड़ी

MG Cyberster EV को कंपनी की ओर से चार रंगों के विकल्प में लाया जाएगा। इसमें English White, Cosmic Silver, Inca Yellow और Dynamic Red रंगों के विकल्प दिए जाएंगे। इसके साथ ही गाड़ी का इंटीरियर भी डॉर्क थीम में रखा जाएगा।

क्या होगी खासियत

इसके अलावा इसमें बटरफ्लाई डोर्स, लो स्लंग डिजाइन दिया गया है जो इसे काफी बेहतरीन कारों में शामिल करता है। MG Cyberster EV में एलईडी हेडलाइट्स, 20 इंच अलॉय व्हील्स, कनेक्टिड टेललैंप, खुली छत, तीन स्क्रीन, आठ स्पीकर का बोस ऑडियो सिस्टम, एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, सात इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे कई बेहतरीन फीचर्स के साथ ऑफर किया जाएगा।

कितनी दमदार बैटरी और मोटर

कंपनी की ओर से इसमें 77kWh की क्षमता की बैटरी को दिया जाएगा, जिससे इसे फुल चार्ज में 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज मिलेगी। इसमें दो मोटर के विकल्प दिए जाएंगे। जिससे इसे 500 बीएचपी की पावर मिलेगी और यह इतनी तेज इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार है जिसे पांच सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड से चलाया जा सकेगा। कंपनी की ओर से इसमें रियर व्हील ड्राइव सिस्टम दिया जाएगा। इसके टॉप वेरिएंट को 0-100 किलोमीटर की स्पीड से चलाने में सिर्फ 3.2 सेकेंड का समय लगता है।

कितनी होगी कीमत

कंपनी की ओर से फिलहाल इसे यूरोप के कई देशों में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। भारत में लॉन्च के समय इसे सीबीयू के तौर पर लाया जा सकता है। ऐसे में इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत 50 से 70 लाख रुपये के बीच हो सकती है।

किनसे होगा मुकाबला

एमजी की ओर से Cyberster को इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार के तौर पर लाया जाएगा। जिस कीमत पर इसे लाया जाएगा उस कीमत पर इसका सीधा मुकाबला Hyundai Ioniq5, Kia EV6, BYD Seal जैसी कारों के साथ होगा।

आईआईटी-जेईई मेन्स / एनईईटी यूजी -2025 के लिए गति, सटीकता में सुधार और नकारात्मक अंकन को कैसे कम करें?

विजय गर्ग

जो छात्र आईआईटी-जेईई परीक्षा देते हैं, उन्हें कई शंकाओं और तनावपूर्ण विचारों का सामना करना पड़ता है। वे लगातार अचूक योजनाओं और कार्यक्रमों की तलाश में रहते हैं ताकि उन्हें अपना वांछित परिणाम मिल सके। इस लेख में, हम आपको जेईई/एनईईटी में गति और सटीकता में सुधार करने के कुछ तरीकों के बारे में बताना चाहते हैं और साथ ही जेईई मेन/एनईईटी यूजी 2025 में नकारात्मक अंकों को कैसे कम करें। निम्नलिखित अनुभाग में, हमने कुछ यात्राएँ प्रस्तुत की हैं कि आप जेईई मेन/एनईईटी यूजी 2025 के लिए उपस्थित होने के दौरान जो आप सबसे अधिक चाहते हैं उसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं, महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान दें- 1. अपनी परीक्षण रणनीति का पालन करें एक परीक्षण रणनीति बनाएं और मॉक टेस्ट और जेईई/एनईईटी परीक्षणों के दौरान उस पर कायम रहें। पूरे प्रश्नपत्र को विस्तार से पढ़कर खाली बैठने की कोशिश न करें। बस एक त्वरित नज़र ठीक है. उस खंड पर जाएं जिसे आपने पहले प्रयास करने के लिए चुना है और प्रश्नों को हल करना शुरू करें। 2. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए क्या पूछा जा रहा है और आपको क्या दिया गया है, यह समझने के लिए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें। विकल्पों का स्पष्ट रूप से मिलान करें और उसके बाद ही प्रश्न हल करना शुरू करें। एक से अधिक सही उत्तर वाले प्रश्नों पर असाधारण विचार करें। 3. जल्दी से निर्णय लें कि आप प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं या नहीं पेपर निपटाते समय अच्छे निर्णय की आवश्यकता है। यदि आप निश्चित हैं कि आप इसका उत्तर दे सकते हैं, तो आगे बढ़ें और इससे निपटें। यदि आपको यह पता नहीं है कि इसे कैसे हल किया जाए तो प्रश्न छोड़ दें। कोशिश करें कि उस प्रश्न से आपका समय बर्बाद न हो। यह निर्णायकता अभ्यास से बढ़ती है। परीक्षण देना जारी रखें. 4. जब भी आवश्यकता हो, बुद्धिमान अनुमान का उपयोग करें कभी-कभी आपको केवल अनुमान पर ही भरोसा करने की आवश्यकता होती है, खासकर तब जब आप किसी विशेष प्रश्न के बारे में निश्चित और अनिश्चित दोनों हों। यह कोई यादृच्छिक, मनमाना अनुमान नहीं होना चाहिए. इसके बजाय, आपको इसके पीछे कुछ विचार करना चाहिए और जो उत्तर आपको सही लगे उसे स्वीकार करना चाहिए।5. एमसीक्यू को हल करने के लिए वैकल्पिक मार्ग जानें सामान्य एमसीक्यू परीक्षणों को हल करके शॉर्टकट या वैकल्पिक मार्ग और तरकीबें सीखें। 6. अपने मॉक टेस्ट को तोड़ें यदि आपको नकारात्मक अंक मिल रहे हैं, तो उस समय, आपको अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का विश्लेषण करना होगा और अपनी गलतियों की पहचान करनी होगी। कमजोर क्षेत्रों पर काम करें और आकाओं से अपने संदेह दूर करें। जेईई मेन/नीट यूजी 2025 में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए महत्वपूर्ण 5 टिप्स जेईई मेन में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए यहां 5 युक्तियां दी गई हैं: 1. अति आत्मविश्वास मूल्यांकन के दौरान आश्वस्त रहना एक अच्छा विचार है। फिर भी आत्मविश्वास और अति आत्मविश्वास में थोड़ा अंतर होता है। छात्र अक्सर प्रश्नों को पूरा पढ़े बिना ही उचित उत्तर पर निशान लगा देते हैं। नीट और आईआईटी जेईई परीक्षा के दौरान इससे बचना चाहिए। 2. उत्साह कई प्रतियोगी पहली बार NEET या IIT-JEE परीक्षा में शामिल होते हैं। वे ऊर्जा के

कारण गलतियाँ करते हैं। एनईईटी और आईआईटी-जेईई में, आपको प्रश्नों को सावधानी से पढ़ना होगा और साथ ही सही विकल्प चुनने से पहले चार विकल्पों को भी पढ़ना होगा। भले ही आपको प्राथमिक विकल्प में सही उत्तर मिले या न मिले, अन्य विकल्पों को सावधानी से तलाशें।3. लालच जेईई मेन/नीट यूजी 2025 में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए 5 महत्वपूर्ण युक्तियों में से एक है लालच बनाए रखना। अधिकतर अभ्यर्थी लालच के कारण गलतियां कर बैठते हैं। वे कल्पना करते हैं कि सही उत्तर उन्हें 4 अंक देगा। इसके बाद, वे अक्सर सही उत्तर जाने बिना ही बड़ी संख्या में प्रश्नों का प्रयास करते हैं। 4. भाग्य परीक्षण कुछ उम्मीदवार परीक्षण के दौरान अपनी किस्मत का परीक्षण करते हैं। वे बिना जाने-समझे उद्देश्यहीन ढंग से अनियमित विकल्पों पर निशान लगा देते हैंसही उत्तर देना या प्रश्नपत्र पढ़ना भी। ये छात्र आम तौर पर - 10, - 26, - 35, इत्यादि जैसे अंक प्राप्त करते हैं। 5. ओएमआर शीट का गलत भरना जेईई मेन/एनईईटी में नकारात्मक अंकों से बचने के लिए पांच युक्तियों में से एक ओएमआर शीट की गलत फाइलिंग को रोकना है। एनईईटी और आईआईटी-जेईई में, आपको सही विकल्प पर गोला लगाकर अपना उत्तर ओएमआर शीट में दर्ज करना होगा। ओएमआर शीट भरते समय कई छात्र गलतियां करते हैं। आईआईटी-जेईई/एनईईटी जैसी प्रवेश परीक्षाएं किसी भी अन्य चीज़ से अधिक आपकी निर्णायकता और समस्या-समाधान क्षमताओं का परीक्षण करती हैं। तो, आपको यह जानना होगा कि जेईई में गति और सटीकता कैसे बढ़ाएं और जेईई में नकारात्मक अंक कैसे कम करें। ऊपर बताए गए सुझावों का पालन करें और एक पेशेवर की तरह परीक्षा में सफलता प्राप्त करें। निष्कर्ष आईआईटी-जेईई/एनईईटी में उत्तीर्ण होने की खोज में चुनौती गति, सटीकता में महारत हासिल करने और नकारात्मक अंकन को कम करने में है। इस लेख का उद्देश्य छात्रों को जेईई मेन/एनईईटी यूजी 2025 के लिए प्रभावी रणनीतियों के माध्यम से मार्गदर्शन करना है। मुख्य युक्तियों में परीक्षण रणनीति का पालन करना, प्रश्नों को ध्यान से पढ़ना, उत्तरों पर तुरंत निर्णय लेना, आवश्यक होने पर बुद्धिमान अनुमान लगाना और एमसीक्यू के लिए शॉर्टकट सीखना शामिल है। नकारात्मक अंकों से बचने के लिए, महत्वपूर्ण सलाह में अति आत्मविश्वास से बचना, उत्साह को नियंत्रित करना, लालच से प्रेरित प्रयासों से दूर रहना, भाग्य पर भरोसा न करना और ओएमआर शीट को सटीक रूप से भरना सुनिश्चित करना शामिल है। ये अंतर्दृष्टि उम्मीदवारों को निर्णय लेने के कौशल को तेज करने, आत्मविश्वास से परीक्षा देने और अंततः सफल होने के लिए सशक्त बनाती हैं।

महाकुंभ क्यों लगता है? जानिए इसकी विशेषता और महत्व-2025

विजय गर्ग

महाकुंभ 13 जनवरी से आरंभ हो रहा है और 26 फरवरी 2025 को इसका समापन होगा। यानी यह कुंभ मेला पूरे 45 दिनों तक चलेगा। महाकुंभ 2025: महाकुंभ का आयोजन भारत के चार पवित्र स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में हर 12 साल के अंतराल पर होता है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान करेंगे। इसे लेकर सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू की हैं। इसमें अत्याधुनिक तकनीक, सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं के लिए यह अनुभव सहज और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हो।

महाकुंभ न केवल धार्मिक पर्व है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और एकता का प्रतीक है। 2025 का महाकुंभ आने वाले समय में नई पीढ़ी के लिए धर्म और संस्कृति के महत्व को समझाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। यह महाकुंभ 13 जनवरी से आरंभ हो रहा है और 26 फरवरी 2025 को इसका समापन होगा। यानी यह कुंभ मेला पूरे 45 दिनों तक चलेगा।

ग्रह-नक्षत्रों की चाल से महाकुंभ का संबंध

महाकुंभ 2025 जो प्रयागराज में शुरू होने जा रहा है उसका आधार है जब देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि में और सूर्य मकर राशि में होते हैं, तो महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित होता है। 2025 में यही स्थिति होने के कारण महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित किया जा रहा है।

प्रत्येक बारह वर्ष बाद जब बृहस्पति वृष राशि में आते हैं तो वृष राशि के बृहस्पति की उपस्थिति में कुम्भ महापर्व आयोजित होता है, इससे पहले 2013 में महाकुंभ का संयोग बना था। अमृत कलश की रक्षा के समय जिन-जिन राशियों पर जो-जो ग्रह गोचर कर रहे थे, कलश की रक्षा करने वाले वही चन्द्र, सूर्य, गुरु आदि ग्रह जब उसी अवस्था में संचरण करते हैं, उस समय कुंभ पर्व का योग बनता है। यानि जब फिर से वैसे-वैसे संयोग ग्रहों के योग के रूप में बनते हैं, तभी कुंभ महापर्व का आयोजन होता है। धर्मशास्त्रों में वर्णन आता है।

महत्व और पौराणिक कथा

महाकुंभ का उल्लेख समुद्र मंथन की कथा से जुड़ा है। अमृत कलश को लेकर देवताओं और असुरों में संघर्ष हुआ। अमृत की बूंदें चार स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक पर गिरीं। इन्हीं स्थानों पर महाकुंभ का आयोजन होता है।

मोक्ष की प्राप्ति

मान्यता है कि महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने से आत्मा के बंधनों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष प्राप्त होता है।

आध्यात्मिक जागरूकता

महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है यह समाज को आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करता है।

संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण

यह आयोजन भारतीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं का जीवंत प्रतीक है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

महाकुंभ के दौरान गंगाजल में औषधीय गुण बढ़ जाते हैं। इसका वैज्ञानिक अध्ययन भी किया गया है, जो इस पर्व की महिमा को और बढ़ाता है।

बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक कैसे प्राप्त करें

विजय गर्ग

किसी भी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए, सर्वोत्तम अध्ययन रणनीतियों के बारे में जानना महत्वपूर्ण है जिनका उपयोग आप नए विषयों को याद करने या सीखने, पुराने विषयों को दोहराने के साथ-साथ अपनी तैयारी में अच्छी गति बनाए रखने के लिए कर सकते हैं। आपको उच्च अंक प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन करने के लिए यहां सर्वोत्तम अध्ययन रणनीतियाँ दी गई हैं: प्रत्येक परीक्षा के लिए आपको जिन विषयों को कवर करना है और जिन उप-विषयों से आपको शुरुआत करनी है, उन्हें सूचीबद्ध करके पहले से ही एक तैयारी कार्यक्रम तैयार कर लें। अध्ययन कार्यक्रम की योजना बनाते समय, एक कठिन अनुशासन के साथ आसान विषय संयोजन बनाएं और इस तरह आप एक दिन में विभिन्न विषयों को कुशलतापूर्वक कवर करने में सक्षम होंगे। उत्तरों को रटें नहीं बल्कि किसी अवधारणा को सीखने के लिए नवीन तरीके खोजें। किसी भी विषय को बिना उलझाए सीखने की कई तरकीबें हैं और आप जिस भी विषय का अध्ययन कर रहे हैं उसमें हमेशा रुचि खोजने का प्रयास करना चाहिए। किसी विषय के आवश्यक मूल को समझने के लिए वीडियो ट्यूटोरियल देखें और फ़्लैशकार्ड या निमोनिक्स, माइंड पैलेस और विज़ुअलाइज़ेशन जैसी याद रखने की तकनीकों का उपयोग करें और आप निश्चित रूप से परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। अभ्यास, अभ्यास और अभ्यास: उच्च स्कोर के लिए सफलता का मंत्र लगातार कई मॉक टेस्ट और अभ्यास परीक्षण देना है। आप नमूना प्रश्नपत्र ऑनलाइन पा सकते हैं या अपने शिक्षकों से पिछले वर्ष के प्रश्नपत्र देने के लिए कह सकते हैं और परीक्षा से पहले कम से कम एक सप्ताह या कुछ दिन टाइमर के साथ विभिन्न प्रश्नपत्रों का अभ्यास करने में बिता सकते हैं। परीक्षा की तैयारी करते समय अपने स्वास्थ्य के बारे में न भूलें। जहां परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए घंटों निवेश करना महत्वपूर्ण है, वहीं स्वस्थ भोजन खाना और हर दिन ताजी हवा लेना भी महत्वपूर्ण है। अपने दिमाग को तरोताजा करने के लिए हर दो या तीन दिन में एक बार कम से कम 30 मिनट के लिए व्यायाम करें या सुबह दौड़ने जाएं। शारीरिक गतिविधियाँ आपकी सीखने की प्रक्रिया को तेज करने में महत्वपूर्ण रूप से मदद कर सकती हैं और आपको तरोताजा और प्रेरित भी रखेंगी। अपने स्वयं के नोट्स बनाएं क्योंकि इससे आपको अवधारणाओं को बेहतर तरीके से याद रखने में मदद मिलेगी। क्या आपने कभी सोचा है कि जिस छात्र से आप अपनी कक्षा के नोट्स लेते हैं, वह परीक्षा में हमेशा उच्च अंक प्राप्त करता है? ऐसा इसलिए है क्योंकि चीज़ों को लिखने से आपके मस्तिष्क को उन्हें लंबे समय तक याद रखने में मदद मिलती है। इसलिए, अपने स्वयं के अध्ययन नोट्स तैयार करें और परीक्षा से कम से कम एक महीने पहले तैयार करें जिससे आपके बेहतर स्कोर करने की संभावना बढ़ जाएगी। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के 15 प्रभावी तरीके विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के दायरे से बाहर जाने की जरूरत नहीं है. चाहे आप प्रतियोगी परीक्षाओं या स्कूल, कॉलेज और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हों, एक दिनचर्या का पालन करना और योजना, आयोजन, समय आदि जैसी आदतें जोड़ना आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के 15 प्रभावी तरीके यहां दिए गए हैं जिनका प्रत्येक छात्र को पालन करना चाहिए: प्रभावी समय प्रबंधन आपने शायद यह सुना होगा ₹यदि आप समय को महत्व नहीं देते हैं, तो समय भी आपको महत्व नहीं देगा₹। यह सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है जिसका आपको ध्यान रखना चाहिए, एक स्थिर और स्वस्थ अध्ययन पैटर्न के लिए एक समय-सारणी बनाए रखना शुरू करें। अपनी दिनचर्या का एक चार्ट बनाएं, उसके अनुसार अपने अध्ययन के समय को समायोजित करें। कोशिश करें और बीच-बीच में थोड़ा ब्रेक लें जिससे आपके दिमाग को आराम मिले ताकि आप नए सिरे से शुरुआत कर सकें। यह परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने की एक शीर्ष रणनीति है और 3-4 घंटे के अंतराल में पढ़ाई को शामिल करके अपनी दैनिक दिनचर्या निर्धारित करके, आप प्रभावी ढंग से एक संतुलित अध्ययन योजना बना सकते हैं। एक अध्ययन योजना बनाएं चाहे आप बोर्ड परीक्षा या प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे हों, सावधानीपूर्वक तैयार की गई अध्ययन योजना यह सुनिश्चित करने का एक अनिवार्य तरीका है कि आप परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करें। बांटकर स्टडी प्लान बनाएंविषय (यदि आप स्कूल/कॉलेज परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं) या अनुभाग (प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए) जिन्हें आप अलग-अलग दिनों में कवर करेंगे और साथ ही आपने जो सीखा है उसे पढ़ने के लिए अपने दिन की शुरुआत में कुछ समय रिवीजन के लिए निकालेंगे। एक दिन पहले. इस तरह, आपको पहले से पता चल जाएगा कि आप अगले दिन क्या पढ़ेंगे, और एक अध्ययन योजना पर कायम रहने से आपको हर दिन की रणनीति बनाने और हर अनुभाग या विषय की तैयारी के लिए पर्याप्त समय की बचत होगी। उचित आहार का पालन करें स्वस्थ आहार स्वस्थ भोजन, पानी और जूस लेने से उच्च ऊर्जा और प्रोटीन प्राप्त करने में मदद मिल सकती है जो मस्तिष्क को तेजी से काम करने और आपने जो पढ़ा है उसे याद रखने में भी मदद करता है। फलों के साथ-साथ हरी सब्जियों का सेवन भी बढ़ाएं और यह भी सुनिश्चित करें कि आपको प्रोटीन और स्वस्थ वसा मिल रही है। साथ ही, हमारे शरीर में 70% पानी होता है और इसलिए नियमित रूप से पानी पीकर खुद को हाइड्रेटेड रखना जरूरी हो जाता है। अपने आहार में अच्छी मात्रा में प्रोटीन लें जिससे आपको अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी और आप शारीरिक रूप से मजबूत बनेंगे। महत्वपूर्ण: अपने कैफीन (चाय, कॉफी और सोडा) का सेवन कम से कम करें और उसकी जगह स्वास्थ्यवर्धक फलों के रस, शेक, स्मूदी और ढेर सारा पानी लें। आपने आप को चुनौती दो परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है खुद पर नज़र रखना और बढ़ते रहना। अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करें. पुनरीक्षण और तैयारी सहित कार्यों को पूरा करने के दैनिक लक्ष्य निर्धारित करके शुरुआत करें, फिर अधिक अध्ययन समय और अधिक पाठ्यक्रम जोड़कर थोड़ा बढ़ाएं। यह अभ्यास आपके अध्ययन पैटर्न में सुधार के साथ-साथ आपके बहुत सारे पाठ्यक्रम को कवर करने में मदद करेगा। योग एवं ध्यान योग योग आपकी एकाग्रता को बढ़ाने के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी के दौरान स्वस्थ रहने के लिए एक अत्यंत उपयोगी तकनीक है। यदि आप नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते हैं, तो कुछ योग आसन सीखने का प्रयास करें जो आपकी सेहत को बेहतर बनाने के साथ-साथ परीक्षा के तनाव को भी नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा, ध्यान आपको अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में भी मदद कर सकता है। प्रतिदिन 30 मिनट ध्यान करने से आपकी याददाश्त 20% तक बढ़ सकती है। जिन छात्रों को एकाग्रता और लंबे समय तक बैठे रहने में गंभीर समस्या है, उनके लिए ध्यान आपके दिमाग को केंद्रित करने में मदद कर सकता है। शुरुआत करने के लिए, अपने अध्ययन अवकाश के दौरान 5 मिनट के लिए क्रॉस-लेग्ड स्थिति में बैठें और अपनी श्वास पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करें। अपनी बॉडी क्लॉक बनाए रखें परीक्षा की तैयारी के दौरान छात्र काफी तनाव और चिंता से गुजरते हैं। लगातार पढ़ाई का दबाव अच्छा नहीं है और इसलिए अपने शरीर को आराम देना जरूरी है। छात्रों को अध्ययन के लंबे समय के बीच एक झपकी या ब्रेक लेना चाहिए। यदि आप 2-3 घंटे पढ़ रहे हैं, तो 15 मिनट का ब्रेक लेने का प्रयास करें, जिससे आपके दिमाग को आराम मिलेगा और आपने जो सीखा है उसे संग्रहीत करने में भी मदद मिलेगी और इस प्रकार आप अपनी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, रात में कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेकर अपने सोने के कार्यक्रम को नियमित करें, जिससे पढ़ाई पर आपका ध्यान केंद्रित होगा। सैंपल पेपर्स और मॉक टेस्ट का अभ्यास करें किसी भी परीक्षा के लिए अध्ययन करते समय, आपने जो सीखा है उसका परीक्षण करने का सबसे अच्छा तरीका पिछले वर्ष के नमूना पत्रों के साथ-साथ मॉक टेस्ट भी है। ये परीक्षण विशेष रूप से छात्रों को परीक्षा के दिन के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि वे पहले से ही मूल्यांकन कर सकें कि वे एक निश्चित समय में कुशलतापूर्वक मॉक परीक्षा दे सकते हैं या नहीं। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए, नमूना और मॉक टेस्ट का अभ्यास करने का आदर्श समय अंतिम परीक्षा से कुछ दिन पहले होता है, जब आप प्रत्येक विषय या अनुभाग के पाठ्यक्रम को पूरा कर लेते हैं। अपना टाइमर सेट करें, एक नमूना पेपर लें और परीक्षा दें जैसे आप करते हैंn द डे-डे. इस तरह, आपको यह भी पता चल जाएगा कि कौन से अनुभाग आपके लिए समय लेने वाले हैं और आप कहां अपना समय बचा सकते हैं। अपने कमजोर बिंदुओं का पता लगाएं परीक्षा की तैयारी करते समय विचार करने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। आपको अपने कमजोर कॉन्सेप्ट को नोट कर लेना चाहिए और बाकी विषयों के साथ उन पर भी काम करना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप गणित में कमजोर हैं, तो यह आपको डरा सकता है और आप जितना संभव हो सके इससे बचने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपनी अध्ययन योजना में कठिन विषयों को शामिल

करने की आदत बनाएं ताकि आपको बोझ महसूस न हो। अंत की ओर. इसके अलावा, एक बार जब आप जान जाएं कि आपको किन अवधारणाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है, तो अपने दोस्तों से मदद मांगें या शिक्षकों से इस संबंध में मार्गदर्शन लें। उलझने की बजाय अवधारणाओं को समझें ऐसे बहुत से छात्र हैं जो याद करने के लिए युक्तियों का उपयोग करते हैं लेकिन विशेष रूप से गणित और भौतिकी जैसे विषयों को कभी भी रटते नहीं हैं। स्पष्ट अवधारणाएँ होने से आपको बेहतर याद रखने में मदद मिलती है। अपने संदेहों को हमेशा दूर रखें ताकि विषय की आपकी मूल अवधारणाएं और बुनियादी सिद्धांत स्पष्ट हों। चीज़ों को रटने के बजाय हर विषय को समझने की कोशिश करें और इसके लिए आप विज़ुअलाइज़ेशन और कहानी कहने के साथ-साथ अन्य तकनीकों का भी उपयोग कर सकते हैं। स्कोरिंग अनुभाग खोजें प्रत्येक परीक्षा में, कम से कम एक खंड और यहां तक कि कई खंड होते हैं जहां कोई भी न्यूनतम प्रयास के साथ आसानी से अंक प्राप्त कर सकता है। आम तौर पर, परीक्षाओं में एक या दो अंक वाले अनुभाग होते हैं जिन्हें आप ढूंढ सकते हैं और कम समय में उत्तीर्ण होने के लिए खुद को प्रशिक्षित कर सकते हैं। चाहे आप प्रतियोगी परीक्षाओं या स्कूल या कॉलेज परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हों, इन स्कोरिंग अनुभागों को ढूंढें और इन्हें आसानी से पास करने के लिए खुद को तैयार करें। अपने स्वयं के अध्ययन नोट्स बनाएं परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए अपने स्वयं के अध्ययन नोट्स बनाएं तैयारी तब सबसे अच्छी होती है जब आपके नोट्स आपकी अपनी भाषा में तैयार हों। केवल अध्यायों को पढ़ने में जल्दबाजी न करें, पाठ्यपुस्तकों में दी गई विस्तृत जानकारी लिखें। एक बिंदु पढ़ें और फिर उसे अपने शब्दों में दोबारा लिखें। यह आपके पुनरीक्षण और विषयों को समझने में बहुत मदद कर सकता है। प्रत्येक व्यक्तिगत विषय के लिए, एक अलग नोटबुक रखने का प्रयास करें। अपने स्वयं के नोट्स लिखते समय, महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालें। पाठ्यपुस्तक में लिखी हर चीज़ को केवल कॉपी करने का प्रयास न करें, इसके बजाय, विषय को पढ़ें, फिर उसके मुख्य बिंदुओं को अपने शब्दों में लिखें। विस्तृत विषयों के लिए, उसके उप-अनुभाग बनाने का प्रयास करें। जहां भी आवश्यक हो, ग्राफ़ और फ़्लोचार्ट बनाएं। इस तरह से तैयार किए जाने पर, अध्ययन नोट्स बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। ग्रुप स्टडी का विकल्प चुनें परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए समूहों में अध्ययन करना एक और आकर्षक तरीका हो सकता है। इसलिए, जब आपको लगे कि आप अपने कमरे की चारदीवारी तक सीमित होकर अकेले ही पढ़ाई कर रहे हैं, तो कुछ दोस्तों को समूह अध्ययन सत्र के लिए आमंत्रित करें। अवधारणाओं को दोहराएँ और एक-दूसरे को विभिन्न अवधारणाओं को समझने में मदद करें जो आपको परीक्षा के तनावपूर्ण दिनों के दौरान मनोबल और प्रेरणा बढ़ाने में भी मदद करेगी। जो आपने सीखा है उसे दूसरों को सिखाएं दूसरों को सिखाओ यह काफी परखी हुई तकनीक है जिसे आप किसी को पढ़ाकर किसी विषय के बारे में स्पष्टता प्राप्त कर सकते हैं। यहीं पर समूह अध्ययन एक केंद्रीय भूमिका निभाता है क्योंकि यह आपको एक-दूसरे की अवधारणाओं और ज्ञान को मजबूत करने में मदद कर सकता है। समूह अध्ययन सत्र के दौरान, अवधारणाओं को एक-दूसरे के बीच विभाजित करें और बारी-बारी से उन्हें किसी और को पढ़ाएं। यह निश्चित रूप से आपके ज्ञान को बढ़ाने और इस प्रकार परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में आपकी सहायता करेगा। अपने स्मार्टफ़ोन का उपयोग कम से कम करें आपके स्मार्टफ़ोन पर विभिन्न एप्लिकेशन से ध्यान भटकना आसान है और इसीलिए इसे सेट करना अनिवार्य हैपरीक्षा की तैयारी के दौरान अपने मोबाइल का उपयोग करने के लिए न्यूनतम समय। साथ ही, छात्र सोशल मीडिया पर बहुत समय बिताते हैं और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। जितना हो सके अपने मोबाइल से दूर रहने का प्रयास करें और परीक्षा से कई हफ्ते पहले अपने मोबाइल फोन पर काफी घंटे बिताएं। लगातार रिवीजन करें जब तक आप प्रतियोगिता के अंतिम दिन तक नहीं पहुंच जाते, सुनिश्चित करें कि आप उन अवधारणाओं को दोहराते हैं जिन्हें आप हर दिन सीख और समझ रहे हैं। अपने अध्ययन के प्रत्येक दिन के अंत में, उस दिन पूरा किए गए कार्यों को पढ़ने के लिए 10 मिनट का समय निकालने का प्रयास करें। और परीक्षा के दिन से पहले, प्रश्नपत्रों के पुनरीक्षण और अभ्यास के लिए कुछ दिन लगाने का प्रयास करें। इस तरह, आप खुद को डी-डे के लिए प्रशिक्षित करने में सक्षम होंगे और निश्चित रूप से परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। अंग्रेजी की उपेक्षा न करें अंग्रेजी अंकों के साथ अपना प्रतिशत बढ़ाने की शक्ति को कम मत आंकिए। हां, हम समझते हैं कि भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, लेखा और गणित जैसे विषय महत्वपूर्ण हैं और अभ्यास, पुनरीक्षण और सीखने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होती है, लेकिन अंग्रेजी की उपेक्षा न करें। अंग्रेजी एक अत्यधिक स्कोरिंग विषय है, छात्र सप्ताह में 3 दिन सिर्फ एक घंटे के दैनिक रिवीजन के साथ भी 85 से ऊपर स्कोर कर सकते हैं। सोशल मीडिया से ब्रेक कुछ महीने पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लेना कोई बुरा विचार नहीं है। यदि आप सोशल मीडिया के उपयोग से बचेंगे तो आपका ध्यान कम भटकेगा। बिना यह सोचे कि 5 मिनट की स्क्रॉलिंग एक घंटे के इंस्टाग्राम रील सत्र में बदल जाती है। आपको सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करने की जरूरत नहीं है क्योंकि नोट्स शेयर करने के लिए व्हाट्सएप काम आता है। आप अपने सोशल मीडिया समय को सीमित कर सकते हैं। आप पढ़ाई के दौरान अपने फोन को बंद या साइलेंट मोड पर भी कर सकते हैं। आप अपने सोशल मीडिया समय को कुछ उपयोगी और शांत गतिविधियों से बदल सकते हैं जो आपके दिमाग को आराम देंगे किताबों से ब्रेक लें जबकि बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षा कठोर पुनरीक्षण और अध्ययन की मांग करती है, कुछ घंटों के बीच में ब्रेक लेना महत्वपूर्ण है। आपके दिमाग और शरीर को भी आराम की जरूरत है। यदि आप बिना किसी ब्रेक के अध्ययन करते हैं तो आपके दिमाग और शरीर पर लगातार दबाव और तनाव रहेगा, कुछ घंटों के बाद भले ही आपकी किताबें और नोट्स खुले हों, आप सीखने या ध्यान केंद्रित करने में सक्षम नहीं होंगे। हर 2 घंटे के बाद ब्रेक के लिए 20 मिनट का समय निकालना जरूरी है। आप तरोताजा महसूस करने के लिए उन 20 मिनटों में ध्यान कर सकते हैं या टहलने जा सकते हैं। अति आत्मविश्वासी न बनें आत्मविश्वास महान है लेकिन अति आत्मविश्वास आत्म-विनाशकारी है। आप कुछ विषयों के बारे में अत्यधिक आश्वस्त हो सकते हैं क्योंकि उन्हें सीखना आसान था या हो सकता है कि वे आपके मजबूत अनुभाग हों। अपनी विशेषज्ञता के मजबूत क्षेत्र को बार-बार दोहराना आवश्यक है ताकि परीक्षा में उन्हें याद करना आसान हो। किसी भी विषय को न टालें, उचित और नियमित रिवीजन सफल परीक्षाओं की कुंजी है। चित्रों के साथ सीखें जब आप किसी बिलबोर्ड या पोस्टर को देखते हैं. आप छवियों या पाठों पर सबसे पहले क्या ध्यान देते हैं? सिद्धांत की तुलना में एक छवि हमारे दिमाग को अधिक आकर्षित करती है और याद रखना आसान होता है। फ्लो चार्ट और आरेखों की सहायता से अवधारणाओं को सीखने से समझना और बेहतर सीखना आसान हो जाता है। फ्लो चार्ट और डायग्राम भी परीक्षा से पहले त्वरित रिवीजन में मदद करेंगे। अपना स्थान बनाएं आपके पास एक अलग कमरा या स्थान होना चाहिए जहां आप बिना किसी विकर्षण के अध्ययन कर सकें, यह आपका अध्ययन कक्ष, बालकनी, छत या यहां तक कि पुस्तकालय कुछ भी हो सकता है। कहीं शांति से अध्ययन करें और उसे व्यवस्थित रखें। नोट्स, स्टेशनरी जैसी महत्वपूर्ण चीजें संभालकर रखें। अपनी पुस्तकों और अध्ययन सामग्री को साफ-सुथरे ढंग से व्यवस्थित करें, इससे नोट्स और संसाधनों का कोई दुरुपयोग नहीं होगा।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

प्रिय जोमैटो, स्विगी और जेप टो: हमें 10 मिनट में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड कचरा नहीं चाहिए... यह चेतावनी किसकी?

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में जेप्टो कैफे, जोमैटो बिस्ट्रो और स्विगी बोल्ट 10 मिनट में भोजन डिलीवर करने की होड़ में हैं। यह फास्ट फूड डिलीवरी स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल रही है। डॉक्टर मनन वोरा ने कहा कि यह अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन का नतीजा है। इससे कैंसर और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

नई दिल्ली: जेप्टो कैफे, जोमैटो बिस्ट्रो और स्विगी बोल्ट जैसी सर्विसेज के तहत कंपनियां 10 मिनट में खाना पहुंचाने की होड़ में हैं। इस तेज डिलीवरी के स्वास्थ्य पर बुरे असर को लेकर चिंता जताई जा रही है। ऑर्थोपेडिक सर्जन और न्यूट्रीबाइट वेलनेस के सह-संस्थापक डॉ. मनन वोरा ने इस पर चेतावनी दी है। उन्होंने लिंक्डइन पर लिखा, '10 मिनट में खाना पहुंचाने के लिए उसे 3 मिनट या उससे कम समय में पकाना होगा। यह तभी मुमकिन है जब अल्ट्रा-प्रोसेस्ड, रेडी-टू-ईट खाना दिया जाए। पहले से पका, फ्रोजन, माइक्रोवेव किया हुआ और फिर डिलीवर किया गया।' लोग इस पर अपनी राय दे रहे हैं। बॉम्बे शेविंग कंपनी के सीईओ शांतनु देशपांडे ने भी फास्ट फूड पर बढ़ती निर्भरता पर चिंता जताई है। उन्होंने इसे 'सबसे बड़ी महामारी' बताया है।

डॉ मनन वोरा ने साधा न शिाना

डॉ.वोरा ने अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के खतरों पर रिसर्च के हवाले से बताया कि इससे कैंसर का खतरा 12% बढ़ जाता है। हृदय रोग का खतरा 10% बढ़ता है। मोटापे की समस्या बढ़ती है, जो 27.8% भारतीय वयस्कों को प्रभावित करती है। शुगर लेवल बढ़ता है। इससे डायबिटीज का खतरा रहता है। ट्रांस फैट की मात्रा ज्यादा होती है, जो दिल की बीमारी से जुड़ा है।

उन्होंने ग्राहकों से कहा, 'अगर घर का खाना नहीं है और ऑर्डर करना जरूरी है तो करें। लेकिन, ताजा खाने के लिए थोड़ा इंतजार करें। अपनी सेहत से समझौता न करें।' डॉ. वोरा ने कंपनियों से सीधे कहा, 'प्रिय जोमैटो, स्विगी और जेप्टो: हमें 10 मिनट में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड कचरा नहीं चाहिए!'

बॉम्बे शेविंग कंपनी के सीईओ ने बताया- सबसे बड़ी महामारी

डॉ.वोरा का पोस्ट चर्चा में आ गया है। कई लोगों ने उनकी बात का समर्थन किया। एक यूजर ने लिखा, '10 मिनट की डिलीवरी सुविधाजनक तो है, लेकिन हमारी सेहत की कीमत पर।'

एक अन्य यूजर ने लिखा, 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाना जल्दी मिल जाता है, लेकिन लंबे समय में गंभीर खतरे पैदा करता है।' वहीं, एक और ने लिखा, '10 मिनट की डिलीवरी का असर 10 साल बाद ज्यादा बीमारियों के रूप में दिखेगा।'

शांतनु देशपांडे ने भी भारत में तेजी से बढ़ते फास्ट फूड के चलन पर चिंता जताई है। उन्होंने इसे 'सबसे बड़ी महामारी' कहा है। उन्होंने सस्ते, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाने में ज्यादा चीनी और पाम ऑयल होने के स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा किया। उन्होंने कड़े नियमों की मांग की। उन्होंने फूड डिलीवरी कंपनियों से सुविधा से ज्यादा गुणवत्ता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

कभी एक ट्रक से की थी कारोबार की शुरुआत, सिंगापुर के अमीरों में नाम था शामिल, अब हुए दिवालिया

परिवहन विशेष न्यूज

कभी कारोबार की दुनिया में फर्श से अर्श तक का उदाहरण बने सिंगापुर के कारोबारी लिम ऊन कुइन उर्फ ओके लिम अब फिर से फर्श पर आ गए हैं। उन्हें सिंगापुर ने दिवालिया घोषित कर दिया है। कोरोना के बाद उनके तेल के कारोबार में अचानक मंदी आनी शुरू हो गई थी।

नई दिल्ली: कभी सिंगापुर के सबसे अमीर कारोबारियों में शुमार रहे लिम ऊन कुइन (Lim Oon Kuin) दिवालिया हो गए हैं। सिंगापुर कोर्ट ने उन्हें दिवालिया घोषित कर दिया है। कोरोना के बाद उनका तेल का साम्राज्य ऐसा ढहा कि फिर कभी खड़ा नहीं हो पाया। उनके पास बैंकों की काफी देनदारियां थीं जिसे वह चुका नहीं पा रहे थे। उनके ऊपर सिंगापुर कोर्ट में धोखाधड़ी के केस चल रहे थे।

कुइन सिंगापुर की प्रमुख ऑयल कंपनी हिन लियॉन्ग ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर थे। उन्होंने एक ट्रक से इस कंपनी की शुरुआत की थी। सरकारी गैजेट में दिखाया गया है कि कुइन और उनके बच्चों लिम ह्युई चिंग और लिम ची मेंग का नाम 19 दिसंबर को दिवालियापन आदेश जारी किए जाने के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उनके दोनों बच्चे उनकी कंपनी में डायरेक्टर थे।

एक ट्रक से की थी शुरुआत

करीब 82 साल के कुइन ने साल 1963 में 20 साल की उम्र में हिन लेओंग ट्रेडिंग की स्थापना की थी। उस दौरान उनके पास मात्र एक ट्रक था। उस ट्रक के जरिए वह मछुआरों और छोटे ग्रामीण बिजली उत्पादकों को डीजल पहुंचाते थे। बाद में उन्होंने ओशन टैंकर्स नाम से एक और कंपनी बनाई। इसमें टैंकरों की संख्या 130 से ज्यादा थी। इस कंपनी को कुइन के बेटे संभालते थे।

कुइन की कंपनी हिन लेओंग ट्रेडिंग कई तरह के ऑयल प्रोडक्ट बनाती थी। साथ ही कंपनी ने लुब्रिकेंट्स और लोडिंग टर्मिनल व भंडारण सुविधाओं का संचालन किया। कुइन को ओके लिम के नाम से भी जाना जाता है।

सिंगापुर के टॉप अमीरों में शामिल

फोर्ब्स के मुताबिक साल 2019 में कुइन का नाम सिंगापुर के टॉप 20 अमीरों में शामिल था। वह 1.8 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ सिंगापुर के 18वें सबसे अमीर शख्स थे। लेकिन बाद में कोरोना महामारी शुरू हो गई।

कोरोना में तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई, जिससे इनका कारोबार तेल की तरह बहता चला गया। कुइन की तेल ट्रेडिंग फर्म हिन लेओंग ट्रेडिंग ने अप्रैल 2020 में दिवालियापन संरक्षण के लिए आवेदन किया। इससे उनकी कुल संपत्ति एक बिलियन डॉलर से कम हो गई।

घाटे को छिपाने का आरोप

लिम ने खुलासा किया कि उनकी कंपनी को पहले से अघोषित घाटे में 800 मिलियन डॉलर का घाटा हुआ था। ऐसे में कुइन पर इस घाटे को छिपाने का आरोप लगा। साथ ही उन 20 से अधिक बैंकों को भारी देनदारियों के साथ छोड़ने का भी आरोप लगाया गया था।

सुनाई जा चुकी है सजा

कुइन को पिछले महीने सिंगापुर की एक कोर्ट ने 18 साल की सजा सुनाई है। कुइन को बैंकों के करीब 3.59 बिलियन डॉलर का भुगतान करना है। लेकिन कुइन का कहना है कि उनके पास पैसे नहीं हैं।

ऐसे में एचएसबीसी से लाखों डॉलर की धोखाधड़ी के मामले में कुइन को नवंबर में 18 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि इस मामले में कुइन ने अपील दायर की है और अपील की सुनवाई के बाद ही वह अपनी सजा काटेंगे।

कम किराये में हवाई सफर कर रहे हैं आप! एयरलाइंस खुद झेल रही हैं महंगाई का बोझ

महंगाई के हिसाब से हवाई किराया काफी कम है। यह पढ़कर आप शायद चौंक सकते हैं। लेकिन एक स्टडी यही कहती है। स्टडी के मुताबिक महंगाई के मुकाबले एयरलाइंस ने टिकट किराये में बहुत ज्यादा वृद्धि नहीं की है। एक्सपर्ट कहते हैं कि जेट फ्यूल की कीमतों के हिसाब से किराया काफी कम है।

नई दिल्ली: अगर आपको लगता है कि एयरलाइंस कंपनियों ने हवाई टिकट महंगी कर दी है तो आप गलत हो सकते हैं। हां, त्योहारी सीजन और इयर एंड की छुट्टियों के कारण हवाई किराये बढ़े जरूर हैं लेकिन एक स्टडी कुछ और ही कहती है।

ग्लोबल स्टडी बताती है कि जिस हिसाब से जेट फ्यूल और महंगाई बढ़ी है, उसकी तुलना में किराये उतनी तेजी से नहीं बढ़े हैं। इस स्टडी में 2015 से लेकर अगस्त 2024 तक के हवाई किराया और महंगाई की तुलना की गई। स्टडी बताती है कि समय के साथ बढ़ती लागत के बोझ का बड़ा हिस्सा यात्रियों पर डालने के बजाय एयरलाइंस ने खुद झेला है।

प्लेन हादसा: इंडिगो की तरह दक्षिण कोरिया की लो कॉस्ट एयरलाइन है जेजू एयर, चीन और जापान के लिए ज्यादा उड़ानें

क्या है एयरफेयर का ट्रेंड?

साल 2020 से पहले दुनियाभर में हवाई किराये में कमी आ रही थी। तभी कोरोना महामारी आ गई। इस दौरान किराये में बड़ी गिरावट आई। महामारी के बाद जब हालात सुधरे तो हवाई किराये में तेजी से बढ़ोतरी हुई।

जेट फ्यूल की कीमत: साल 2015 से 2024 के बीच 2% बढ़ी जो उपभोक्ता महंगाई से ज्यादा है।

वास्तविक हवाई किराया: महंगाई के प्रभाव को देखते हुए ये 37% कम हुए।

क्या होता है Nominal हवाई किराया?

यहां Nominal हवाई किराये से मतलब होता है महंगाई या अन्य कारणों को ध्यान में रखे बिना किराया। इसमें CPI (उपभोक्ता महंगाई) घटा दें तो वास्तविक हवाई किराये में हुई बढ़ोतरी मिलेगी।

स्टडी के मुताबिक हवाई किराया महंगाई के हिसाब से धीमी गति से बढ़ा है। स्टडी बताती है कि हवाई किराये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) और जेट फ्यूल की कीमतों की तुलना में धीमी गति से बढ़े।

कितना आया फेयर में बदलाव?

भारत में Nominal फेयर में बदलाव पिछले कुछ वर्षों में काफी बदलाव आया है। साल 2015 से 2024 तक जहां इसमें 12% की गिरावट रही तो वहीं गिरावट साल 2019 से 2024 के बीच इसमें 13% की तेजी आई।

आत अगर रियल एयरफेयर की करें तो इसमें भी बदलाव आया है। साल 2015 से 2024 के बीच इसमें 43% की तेजी आई। वहीं साल 2019 से 2024 के बीच में इसमें 15% की गिरावट देखी गई।

क्या कहते हैं जानकार?

जानकारों के मुताबिक महंगाई के हिसाब से फ्लाइट की कीमत कम हुई है। एक्सपर्ट के मुताबिक सिर्फ टिकट के दाम देखें तो ये 2019 की तुलना में बढ़े हैं। लेकिन जब हम इसे महंगाई, जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़त के हिसाब से देखते हैं तो असल में बढ़ोतरी ज्यादा नहीं है। मतलब महंगाई को ध्यान में रखें तो हवाई टिकटों के दाम कम हुए हैं।

कॉर्पोरेट दिग्गज बनने की राह पर सौरव गांगुली की बेटी सना, कहां कर रही हैं काम, सैलरी कितनी?

परिवहन विशेष न्यूज

सौरव गांगुली की बेटी सना गांगुली 21 साल की हैं। उन्होंने क्रिकेट के बजाय कॉर्पोरेट दुनिया में करियर चुना है। सना ने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया। फिर पीडब्ल्यूसी और डेलॉयट जैसी प्रमुख कंपनियों में इंटर्नशिप की। वर्तमान में वह एक मल्टीनेशनल कॉर्पोरेशन में काम कर रही हैं।

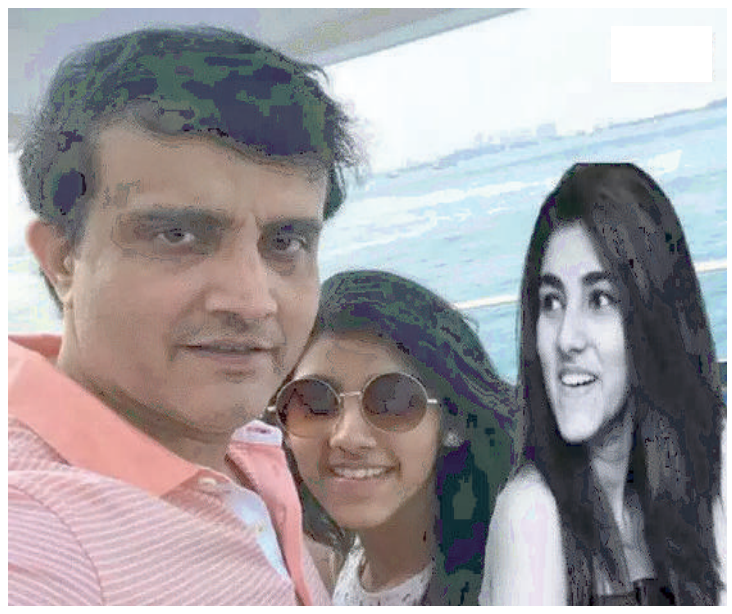

नई दिल्ली: सौरव गांगुली की बेटी सना गांगुली ने क्रिकेट की दुनिया से अलग रास्ता चुना है। 21 साल की सना ने कॉर्पोरेट जगत में कदम रखा है। वह एक बड़ी एमएनसी में काम कर रही हैं। उन्होंने यूसीएल से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया है। एचएसबीसी, केपीएमजी, गोल्डमैन सैक्स, बार्कलेज, आईसीआईसीआई जैसी बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप भी की है। PwC और डेलॉयट में भी इंटर्नशिप करके सना ने अपना हुनर दिखाया है। पीडब्ल्यूसी में इंटर्नशिप पैकेज लगभग 30 लाख रुपये सालाना का था। इसी तरह डेलॉयट में इंटर्नशिप पैकेज 5 से 12 लाख रुपये सालाना तक हो सकता है।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सौरव गांगुली की बेटी सना ने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने के बजाय अपना अलग मुकाम बनाने का फैसला किया है। क्रिकेट की पिच की जगह सना ने कॉर्पोरेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। वह एक बड़ी MNC में काम कर रही हैं। काफी अच्छा सैलरी पैकेज भी ले रही हैं। 2001 में जन्मीं सना अभी सिर्फ 21 साल की हैं।

कई कंपनियों का वर्क एक्सपीरियंस

सना की शुरुआती पढ़ाई कोलकाता के लोरेटो हाउस स्कूल में हुई। उसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन का रुख किया। वहां उन्होंने प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (UCL) से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की। अपनी पढ़ाई के दौरान सना ने कई इंटर्नशिप भी कीं। इससे उन्हें अलग-अलग क्षेत्रों का अनुभव मिला। एचएसबीसी, केपीएमजी, गोल्डमैन सैक्श, बार्कलेज और आईसीआईसीआई जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के साथ काम करके उन्होंने अपना रिज्यूमे और भी मजबूत किया। यूसीएल में ग्रेजुएशन के दौरान सना ने कैंपस कंपनी इनैक्टस में फुल-टाइम काम किया।

यहां कर रही हैं काम

ग्रेजुएशन पूरा होने से पहले ही सना ने दुनिया की सबसे बड़ी एमएनसी में शुमार PwC में इंटर्नशिप शुरू कर दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, PwC अपने स्किल्ड वर्कफोर्स को लगभग 30 लाख रुपये सालाना का इंटर्नशिप पैकेज देती है। PwC में इंटर्नशिप पूरी करने के बाद सना ने एक और बड़ी कंपनी डेलॉयट का रुख किया। उन्होंने इस साल जून में डेलॉयट में अपनी इंटर्नशिप शुरू की, जो सितंबर तक चलने की उम्मीद है। ग्लासडोर और दूसरी रिक्रूटमेंट वेबसाइट्स के अनुसार, डेलॉयट का इंटर्नशिप पैकेज डिपार्टमेंट के हिसाब से 5 लाख से 12 लाख रुपये सालाना तक हो सकता है।

अपने डांस परफॉर्मेंस और बचपन की प्यारी तस्वीरों के लिए भी जानी जाने वाली सना ने क्रिकेट परिवार से आने के बावजूद अपना रास्ता खुद चुना। उन्होंने कॉर्पोरेट की दुनिया में अपनी जगह बनाई है।

2.5 करोड़ रुपये से ज्यादा के फ्लैट...! दिल्ली-एनसीआर में लग्जरी होम प्रॉपर्टी की संख्या बढ़ी, कैसी रही बिक्री?

परिवहन विशेष न्यूज

देश में लग्जरी प्रॉपर्टी की संख्या बढ़ रही है। इसमें दिल्ली-एनसीआर सबसे आगे है। एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में दिल्ली-एनसीआर में लग्जरी होम प्रॉपर्टी की संख्या साल 2023 के मुकाबले ज्यादा रही। हालांकि इसमें बिक्री की संख्या पिछले साल के मुकाबले कम रही।

नई दिल्ली: देश में इन दिनों लग्जरी रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी खरीदने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आए दिन खबरें आती रहती हैं कि किसी ने 50 करोड़ का फ्लैट खरीदा तो किसी ने 100 करोड़ का तो किसी ने इससे ज्यादा का। देश में एक करोड़ रुपये से ज्यादा के फ्लैट की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एनारॉक के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में रेजिडेंशियल मार्केट में इस साल नई आपूर्ति में 44 फीसदी की तेजी आई है। इस साल 53 हजार से ज्यादा फ्लैट बने हैं। इनमें से करीब 60 फीसदी अल्ट्रा-लग्जरी घर थे, जिनकी कीमत 2.5 करोड़ रुपये से अधिक थी। 2023 के दौरान होम प्रॉपर्टी के नए लॉन्च की संख्या 36,735 यूनिट थी।

क्या मुंबई, क्या गुरुग्राम, क्या बेंगलुरु... चुटकियों में बिक रहे करोड़ों के अपार्टमेंट, अल्ट्रा रिच की पहली पसंद

7 शहरों में दिल्ली-एनसीआर आगे

रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक ने भारत के सात प्रमुख शहरों में साल 2024 में हाउसिंग मार्केट के आंकड़े जारी किए हैं। इन शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता शामिल रहे।

इन आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 2024 में 53 हजार नए फ्लैट, अपार्टमेंट आदि हाउसिंग यूनिट लॉन्च की गईं। यह साल 2023 की तुलना में 44 फीसदी ज्यादा रहीं। इसमें कहा गया है कि नई आपूर्ति का 59 फीसदी से अधिक हिस्सा 2.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले अल्ट्रा-लग्जरी सेगमेंट में था।

बिक्री में आई गिरावट

हालांकि लॉन्च होने और बिक्री में काफी अंतर है। डेटा के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आवास की बिक्री 2024 में 6 फीसदी घटकर 61,900 यूनिट रह गई, जो पिछले वर्ष 65,625 यूनिट थी।

कुल मिलाकर इन सात शहरों में 2023 में 4,45,770 यूनिट लॉन्च की गई थीं। वहीं अगले साल यानी 2024 में 4,12,520 यूनिट लॉन्च की गईं। इस एक साल में इसमें 7 फीसदी की गिरावट आई। वहीं बिक्री में मामले में भी गिरावट आई। इन सात शहरों में आवास की बिक्री 2023 में 4,76,530 यूनिट थी। इस साल यह 4 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 4,59,650 यूनिट पर आ गई।

एक लाख के बना दिए एक करोड़ रुपये, धड़ाधड़ पैसा छाप रहा यह शेयर, कभी दो रुपये से कम थी कीमत

गिरते शेयर बाजार में भी कई कंपनियां निवेशकों को धड़ाधड़ रिटर्न दे रही हैं। इनमें कई ऐसी कंपनियों ने जिन्होंने कम समय में निवेशकों को मालामाल कर दिया है। ऐसी ही एक कंपनी ने निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमत 200 रुपये से कम है।

नई दिल्ली: शेयर मार्केट में पिछले कुछ समय में गिरावट जारी है। शुक्रवार को भी मार्केट फ्लैट बंद हुई थी। वहीं कुछ ऐसे मल्टीबैगर शेयर हैं जो निवेशकों को लगातार शानदार रिटर्न दे रहे हैं। मार्केट में गिरावट के बावजूद इन शेयरों में अपर सर्किट लग रहा है। इसी में एक शेयर ऐसा भी है जिसने निवेशकों की रकम मात्र 4 महीने में ही दोगुनी कर दी है। वहीं लॉन्ग टर्म की बात करें तो इसने करीब 12000 फीसदी का रिटर्न दिया है। यानी निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

इस मल्टीबैगर शेयर का नाम अरुणज्योति बायो वेंचर्स लिमिटेड (Arunjyoti Bio Ventures Ltd) है। शुक्रवार को इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा था। इसके साथ यह शेयर 190.10 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने हाल ही में स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। कंपनी अपने शेयरों को 10 भागों में बांटने जा रही है। हालांकि अभी तक स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट नहीं बताई है। इससे भी इसके शेयरों में तेजी आई है।

चार महीने में दोगुना रिटर्न

इस शेयर ने मात्र 4 महीने में निवेशकों को 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। यानी निवेश की रकम को दोगुने से ज्यादा कर दिया है। 20 अगस्त को शेयर की कीमत करीब 93 रुपये थी। वहीं अब 190 रुपये से कुछ ऊपर है। ऐसे में देखा जाए तो इसने निवेश की रकम को चार महीने में दोगुने से ज्यादा कर दिया है।

एक साल में भर दी झोली

बात अगर एक साल की करें तो इसने निवेशकों की झोली भर दी है। एक साल में इसने 368 फीसदी रिटर्न दिया है। अगर आपने एक साल पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते आज उनकी वैल्यू 4.68 लाख रुपये होती। यानी आपको एक साल में ही 3.68 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

"चीन का डैम: हथियार है या वाकई चीन की जरूरत ?"

हाल ही में चीन की जिनपिंग सरकार (कम्युनिस्ट सरकार) द्वारा अपनी सेना पीएलए के लिए 10 लाख कामकाजी ड्रोन के महाआर्डर देने के बाद से पूरी दुनिया में इसकी खूब चर्चा हो रही है। इसी बीच कुछ और खबरें भी चीन की तरफ से आ रहीं हैं। एक प्रमुख खबर हाल ही आई है कि चीन ने भारतीय सीमा के करीब तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 137 अरब डॉलर(यानी कि एक ट्रिलियन युआन) की लागत से दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है। निश्चित ही इससे तटवर्ती देशों- भारत और बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ेंगी। चिंताए इसलिए क्यों कि चीन विश्व का एक ऐसा देश रहा है जो पड़ौसी देशों की जमीनों और वहां के संसाधनों को हड़पने व उन पर अवैध कब्जा जमाने को लेकर हमेशा विवादों में रहता आया है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि चीन की सरकार ने यह ऐलान किया है कि वह तिब्बत की सबसे लंबी नदी यारलुंग त्सांगपो (भारत का ब्रह्मपुत्र नद) पर महाशक्तिशाली बांध बनाने जा रही है। यह बांध (डैम) इतना विशालकाय है कि चीन की सरकार ने इसे 'ग्रह का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट' तक बताया है। दरअसल, चीन तिब्बत की सबसे लंबी नदी यारलुंग त्सांगपो नदी पर बांध बनाने जा रहा है। यह वही नदी है जिसे भारत में ब्रह्मपुत्र नद के नाम से जाना जाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि यारलुंग सांगपो का स्थान दुनिया के सबसे अधिक जलविद्युत समृद्ध क्षेत्रों में से एक है। पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि यारलुंग सांपों नदी लगभग 50 किलोमीटर के एक हिस्से में लगभग दो हज़ार मीटर की ऊंचाई से गिरती है और इस ढलान की मदद से जलविद्युत उत्पादन में काफी मदद मिलती है। बताया जा रहा है कि ये बांध तिब्बत में ऐसी जगह बनाया जाएगा, जहां से ब्रह्मपुत्र नद अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश के लिए यू-टर्न लेती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस बांध के बनने का सबसे बड़ा फायदा चीन को होगा, लेकिन भारत के लिए यह किसी खतरे से कम इसलिए नहीं है क्यों कि चीन इस बांध का पानी कभी भी भारत की ओर छोड़ सकता है और इस तरह से चीन भारत पर कभी भी "डैम बम" फोड़ सकता है। निश्चित ही चीन के लिए यह बांध हाइड्रोपावर का एक बड़ा प्रोजेक्ट होगा लेकिन भारत के लिए खतरा क्यों कि चीन कभी भी इस बांध का प्रयोग एक वैपन के रूप में कर सकता है, मसलन वह भारतीय सीमा में भरपूर पानी छोड़कर यहां बाढ़ के गंभीर हालात पैदा कर सकता है। चीन द्वारा कम पानी छोड़ने पर भी भारत को पानी की दिक्कत होगी। न केवल भारत को बल्कि इससे पड़ौसी बांग्लादेश में भी पानी का संकट पैदा हो सकता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि चीन के ये बांध बम(डैम बम) भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा व गंभीर खतरा है । गौरतलब है कि अभी दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत पॉवर स्टेशन 'थ्री गॉर्जेस' डैम भी मध्य चीन के हुबेई प्रांत में यांग्त्री नदी पर बना हुआ है और इसकी क्षमता सालाना 88 बिलियन किलोवाट-घंटा है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि इस बांध में 40 अरब क्यूबिक मीटर पानी है और ये बांध धरती के घूमने की रफ्तार तक को प्रभावित कर रहा है, तो हम यह अंदाजा सहज ही लगा सकते हैं कि ये कितना पावरफुल है। दुनियाभर के वैज्ञानिक चीन द्वारा पूर्व में बनाए जा चुके बांध पर भी गंभीर चिंताएं जताई चुके हैं लेकिन बावजूद इसके भी चीन धरती का सबसे बड़ा बांध बनाने का फैसला ले चुका है। पाठकों को बताता चलूं कि चीन ने पहले ही 2015 में तिब्बत में सबसे बड़े 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ग्रम हाइड्रोपावर स्टेशन का संचालन शुरू कर दिया है। चीन की सरकारी न्यूज़ एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी है कि वर्तमान में ज़िस बांध के निर्माण को चीनी सरकार द्वारा मंज़ूरी दी गई है उससे चीन के धरती की स्पीड को प्रभावित करने वाले श्री जॉर्ज बांध से भी 3 गुना ज्यादा बिजली पैदा होगी। सरकारी एजेंसी के अनुसार, चीन की सरकार इसे हिमालय के करीब एक विशाल घाटी में बनाने की योजना पर काम कर रही है। दूसरे शब्दों में कहें तो इसे तिब्बत पठार के पूर्वी छोर पर बनाया जाएगा। इसी लेख में ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि इसी स्थान से ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की तरफ मुड़ जाती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह बांध आने वाले समय में बीजिंग के लिए इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी एक बड़ी चुनौती बनने जा रहा है, क्यों कि यह कोई आसान काम नहीं है, धरती की पारिस्थितिकी और पर्यावरण निश्चित ही इससे प्रभावित होंगे। हालांकि,यह बात अलग है कि हाल फिलहाल, चीन ने इस बांध परियोजना के ज़रिए पर्यावरण को प्रभावित न होने की बात कही है लेकिन विभिन्न मानवाधिकार समूहों और जानकारों ने इस घटनाक्रम के दुष्परिणामों के बारे में गंभीर चिंताएं जताई है । यहां यह भी उल्लेखनीय है कि चीन की तरफ से यह कहा गया है कि यह परियोजना चीन के कार्बन पीकिंग, कार्बन न्यूट्रलिटी के विभिन्न लक्ष्यों को पूरा करने और वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने में प्रमुख भूमिका निभाएगी। चीन ने यह भी कहा है कि इससे जहां एक ओर चीनी इंजीनियरिंग उद्योग प्रोत्साहित होंगे वहीं दूसरी ओर इससे चीन में रोजगारों का भी बड़ी संख्या में सृजन हो सकेगा। हालांकि रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस बांध का निर्माण कब से शुरू होगा और निर्माण की सटीक जगह कौनसी व कहां होगी ? यहां यह भी उल्लेखनीय है कि चीन की तरफ़ से यह भी साफ़ नहीं किया गया है कि इस परियोजना से चीन के कितने लोगों को विस्थापित होना पड़ेगा और इसका धरती के ईको-सिस्टम पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? हालांकि,भारत भी अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र पर बांध बना रहा है, लेकिन यह उतना बड़ा नहीं है जितना की चीन का। वैसे भी भारत को अपनी साइड में बनाए जा रहे बांध में भी पानी को स्टोर करने के लिए चीन पर ही निर्भर रहना पड़ेगा, क्योंकि ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत से ही निकलती है और इसके उद्गम स्थल पर पहला बांध चीन का ही है। हाल फिलहाल, यह कहना ग़लत नहीं होगा कि चीन का बड़ा डैम बीजिंग को शत्रुता के समय सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में पानी छोड़ने में भी सक्षम बना सकता है। हालांकि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत और चीन ने सीमा पार नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 2006 में विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र (ईएलएम) की स्थापना की है, जिसके तहत चीन बाढ़ के मौसम के दौरान भारत को ब्रह्मपुत्र नदी और सतलज नदी पर जल विज्ञान संबंधी जानकारी प्रदान करता है, लेकिन चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि चीन द्वारा यह बांध मुख्य भूमि चीन के सबसे अधिक वर्षा वाले हिस्सों में से एक में बनाया जाएगा, जहां पानी का प्रचुर प्रवाह होगा। 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाइड्रोपावर स्टेशन से हर साल 300 बिलियन केडब्ल्यूएच से अधिक बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जो 300 मिलियन से अधिक लोगों की वार्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। मतलब यह है कि यह बहुत ही विशालकाय बांध है। गौरतलब है कि यह बांध चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना का हिस्सा है जो कि वर्तमान में चीन की सबसे बड़ी ढांगागत परियोजना है।अंत में, यही कहूंगा कि चीन भारतीय सीमा पर इतना बड़ा बांध बनाकर रणनीतिक रूप से काफी सक्षम हो जाएगा। यह भी कहना ग़लत नहीं होगा कि चीन ने इस बड़े प्रोजेक्ट के बारे में संपूर्ण विश्व को पारदर्शिता से जानकारी नहीं दी है,मसलन इससे कितने लोग विस्थापित होंगे, इसके धरती के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र पर क्या प्रभाव होंगे वगैरह वगैरह, जिससे भारत समेत विश्व की चिंताएं बढ़ीं हैं। यह प्रोजेक्ट भारत में बाढ़ की समस्या, भारत में जल आपूर्ति की समस्या दोनों को ही जन्म दे सकता है, इसलिए भारत को चीन से विशेष सतर्कता बरतने और सावधान रहने की जरूरत है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह परियोजना भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ा सकती है और दोनों देशों के बीच जल युद्ध की संभावना को जन्म दे सकती है। चीन इस बांध से क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। गौरतलब है कि चीन द्वारा इस विशालकाय बांध का निर्माण करने से ब्रह्मपुत्र नद के प्रभाव पर चीन की एक तरह से मोनोपोली हो जाएगी। हाल फिलहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि यह बांध वाकई चीन की जरूरत है या वह इसे आने वाले समय में एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

वाणी प्रभाव

जब कोई व्यक्ति आदर्श की बात करता है लेकिन अपने जीवन में वही आदर्श नहीं रखता है, तो यह वाणी और व्यवहार में सामंजस्य की कमी को दर्शाता है आदर्श की बात करना आसान है लेकिन उसे अपनाना कठिन है यह उसकी कमजोरी को दर्शाता है यह उसके चरित्र की कमी को दर्शाता है

दीपक को घी जब चाहिए जब वो जल रहा हो दीपक में बुझने के बाद घी डालना व्यर्थ है अगर हमारे साथ वाले को सफलता मिल गई है और हमें सफलता नहीं मिली है इसका ये मतलब हैं अभी हमारा सही समय नहीं आया है आशा न छोड़ें, दुर्बल का कोई मित्र नहीं होता आवश्यकता से अधिक सोच कर हम ऐसी समस्या को जन्म देते है जो वास्तव में होती ही नहीं जीवन की प्रतिकूल से प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सत्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। सत्य की राह पर हार भी मिले तब भी उसका त्याग नहीं करना चाहिए एक बात सदैव स्मरण रखना कि सिद्धांतों पर चल कर हारना झूठ के बल पर जीतने से कई गुना बेहतर है सिद्धांत ही आपके जीवन में हार जीत से भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं सत्य का पथ श्रेष्ठता का पथ है

जो लोग हमारे सामने दूसरों की बुराई करते हैं निश्चित ही वो लोग दूसरों से आपकी बुराई भी करते होंगे बुरा करना ही गलत नहीं है अपितु बुरा सुनना भी गलत है किसी की बुराई सुनने से हमारे स्वयं के विचार भी दूषित हो जाते हैं

विचारों का प्रदूषण विज्ञान से नहीं अपितु स्वयं के अन्तः ज्ञान से ही मिटाया जा सकता है विचारों का प्रदूषण फैलने का कारण हमारी वो आदतें हैं जिन्हें किसी की बुराई सुनने में रस आने लगता है बुराई को सुनना बुराई को चुनना जैसा ही है क्योंकि जब हम बुराई सुनना पसंद करते हैं तो बुराई का प्रवेश हमारे जीवन में स्वतः होने लगता है जो हम रोज सुनते हैं देखते हैं वही हम होने भी लग जाते हैं उन लोगों से अवश्य ही सावधान रहने की आवश्यकता है जो सदैव दूसरों की बुराई का बखान करते रहते हैं

!!!'दूसरों की बुराई सुनने की अपेक्षा स्वयं के जीवन से बुराई को मिटाने के लिए प्रयास रत रहें' !!!

हम बदलें तो दुनिया बदले

कैसे करूं इज़हार ...

मैं कैसे करूं अपना इज़हार,
अब जता नहीं सकती प्यार।
कहीं और हो गई है व्यस्तता,
इसलिए ही कहती हूँ स्पष्टता!
यहीं स्वभाव की विलक्षणता।

मैं कैसे करूं अपना इज़हार,
अब जता नहीं सकती प्यार।
न किया करो मिन्नते बार-बार,
हर कोई देखता मुझे बार-बार!
सोचती हूँ, हो न जाए वार-वार।

मैं कैसे करूं अपना इज़हार,
अब जता नहीं सकती प्यार।
फिर वहीं तोहमत न लग जाए,
रिश्तो की परिभाषा बदल जाए!
जिससे की वफ़ा बेवफा हो जाए।

संजय एम. तराणेकर,

पुलिस- दलाल से नहीं सलटा मामला तो ड्राइवर को पशु तस्कर बताकर भेजा जेल

सरायकेला पुलिस की ओड़िया प्रताड़ना पर झारखंड,ओडिशा से जांच की मांग

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

सरायकेला, यह सरायकेला पुलिस है !जो अनुरूप रिश्वत नहीं मिलने के कारण निहायत गरीब आदिवासी के बच्चे को थाने हाजत में मार कर पंखे पर टांगने का इल्ज़ाम से अभी छूटकारा नहीं पाया कि पुनः प्रताड़ित कर एक गरीब बच्चे को ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कराने हेतु विवश करने का कलंक सरायकेला जिला वर्दीधारियों को मशहूर बनाए है। केवल इतना हि नहीं अब पुनः ओडिशा के रायरंगपुर हाट बादडा सप्ताहिक हाट से छह बैलों को खरीद कर झारखंड के रोलाडीह लाने क्रम में सरायकेला थाना प्रभारी द्वारा एक वाहन चालक को पशु तस्कर कहकर कर जेल भेजने के बाद भूखे प्यासे बैलों को दो दिन थाने में बांधकर तड़पाने के बाद ओड़िया कृषक समुदाय के किसानों ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर एक मार्मिक पत्र सौंपा भी हैं। इतना ही नहीं इसकी एक प्रति राष्ट्रपति ,भारत को भेजकर ओडिशा तथा झारखंड सरकार से संबंधित मामले पर अलग अलग जांच करने की मांग किसानों ने कर डाली है ।

सरायकेला खरसावां जिला पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत को मिलकर दिये गये

पत्र में आवेदक रंजन प्रधान, पिता सुपल प्रधान, रजनी प्रधान, पिता सुधन्य प्रधान तथा विश्वजीत प्रधान, पिता सुपल प्रधान तीनों खरसावां निकटस्थ अरूवां गांव ,थाना टोकलो , जिला पश्चिम सिंहभूम के स्थायी निवासी ग्वाला जाति के गरीब किसान स्वयं को उल्लेख किया है ।जो महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के इलाके 60 कि मी दुर से विगत दिनांक 25/12/2024 एक सप्ताहिक हाट से तीन जोड़ी बैल कृषि कार्य हेतु खरीदा कर छोटा हाथी वाहन से अपने गांव ला रहे थे ।इसी क्रम में सरायकेला मांजना घाट पुल के पास सरायकेला पुलिस दिन के दस बजे करीब 26 दिसंबर को बैलों समेत वाहन एवं ड्राइवर को कागजात मिलान के नाम पर थाना में ले आये , दो दिनों तक थाने में रखने के बाद दलाल के जरिये पकडे गये बैलों का मामला सलटाने में जब पुलिस अक्षम रही तो बात नहीं बन पाई ।

तब दुशरे दिन तीन गरीब किसान एवं वाहन मालिक ने एस पी से अपनी जात व ओड़िया भाषी ग्वाला जाति के होने का हवाला देते हुए बैलों अपनी आराध्य बताते हुए मार्मिक पत्र दिया । गाड़ी चालक समेत बैलों को छोड़ने की मांग की । जहां गाडी चालक ने थाना प्रभारी ने ओडिया में लिखे रसीद को भी दिया था, इसके बाबजूद तत्परता से चालक को जेल भेज दिया गया । अब मामला तुल पकड़ने लगा है । सदैव अपनी अनैतिक क्रियाकलाप यथा रौब, भ्रष्टाचार के कारण सुर्खियों रहने वाली सरायकेला थाना पुलिस अब पुनः चर्चा की विषय वस्तु बन गयी है ।

सरायकेला एस.पी. कार्यालय परिसर से ट्रान्सफरमार चोरी

जहां थाना समीप के कबाड़खाने देते वर्दी धारियों का स्वच्छता प्रमाण

कार्तिक कुमार परिच्छा,स्टेट हेड- झारखंड

सरायकेला। समाहरणालय समीप जिलाधिकारी तथा एस पी कार्यालय परिसर स्थित गौरंगडीह गांव का बिजली ट्रांसफार्मर (परिणामित्र यंत्र) से कॉपर कोयल की चोरी बीते शनिवार रात चोरों ने कर ली है । आज सुबह जब थाना प्रभारी सतीश वर्णवाल सरायकेला एस पी कार्यालय समीप घटना स्थल पर पहुंचे तब तब ग्रामीण गोलबंद होकर पुलिस की कार्यशैली पर जोरदार बहस की । ऐसे तो अमूमन बिजली की ट्रांसफार्मर चोरी होती है, परंतु बीती रात समाहरणालय परिसर स्थित बिजली ट्रांसफार्मर चोरी की यह मामला थोड़ी अलग है। चोरों ने काफी फुर्सत से घटना को अंजाम दिया है ,ट्रांसफार्मर खोलने के उपरांत उसके अंदर लगे कॉपर के कोयल की चोरी की है। जिस तरह से ट्रांसफार्मर को खोला गया है इससे यह प्रतीत होता है कि यह कोई आम चोरी करने वाला गिरोह नहीं है बल्कि बड़े शातीर गिरोह गिरोह है, जिनके पास ट्रांसफार्मर खोलने के लिए तमाम उपकरण तथा ट्रांसफार्मर का अच्छा खासा अनुभव भी है। वहीं कुछ लोगों का कहना है की चोरी की इस घटना का कहीं ना कहीं संपर्क स्थानीय कुछ कबाडी वालों से होगा जो अनाधिकृत रूप से पूलिस के विशेष संरक्षण में कबाड़खाना टाल चला रहे हैं और चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं । ठीक एक महिना पूर्व महज थाना से आज रविवार होने के कारण उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक कार्यालय बंद था पर ट्रांसफार्मर चोरी की घटना को लेकर स्थानीय लोगों में बवाल मचा हुआ है स्थानीय ग्राम प्रधान विश्वमित्र देहरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता को एक विज्ञापन सोपा है जिसमें तत्काल बिजली ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

पं. राजकुमार त्रिवेदी, विश्व हिन्दूराष्ट्र परिषद के प्रदेश अध्यक्ष घोषित

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा,पंकज जैन। विश्व हिन्दूराष्ट्र परिषद का संगठन गठन एवम्-कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन आज आगरा केंट नगला पुलिया शिवनगर स्थिति गायत्री मैरिज होम पर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मानित अतिथियों द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम भारत माता और छत्रपति शिवाजी महाराज, महान क्रांतिकारी सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में संगठन का गठन करते हुए विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक अविनाश राणा तथा राष्ट्रीय संरक्षक एवम्-भाजपा युवा नेता चौधरी अमित सिंह ने पंडित राजकुमार त्रिवेदी को संगठन का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया तथा राजेश वर्मा को प्रदेश महामंत्री घोषित किया गया तथा प्रदेश संरक्षक श्रीमान दीपक वीर सिंह चौहान प्रदेश मीडिया प्रभारी, प्रदीप दुबे युवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह सोनकर प्रदेश महामंत्री युवा सुरेन्द्र सिंह चौहान को घोषित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक अविनाश राणा ने कहा विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद हिन्दू समाज की सेवा और सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य करेगा। शीघ्र ही प्रदेश में हर जिले में संगठन की कार्यकारिणी घोषित की जाएंगी। हमें देश के बॉर्डरों पर जितना खतरा नहीं है, उतना खतरा देश में ही रह रहे देशद्रोहियो और छुपे हुये गद्दारों से है। विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद देश की आतंरिक सुरक्षा के लिए कार्य करेगा और ऐसे लोगों को चिन्हित करने का कार्य करेगा, जो इस देश में रहते हैं, यहां का खाते हैं पर बात हमारे दुश्मन देश पकिस्तान और बांग्लादेश की करते हैं।

उन्होंने बताया कि केबल उत्तर प्रदेश में ही ऐसे बहुत मामले सामने आए हैं कि कभी किसी जूलूस के दौरान कभी भारत पाकिस्तान के मैच के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए हैं और फिलिस्तीन का झंडा फेराया गया। अक़्सर देखने में आता हैं कि यही लोग हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, राष्ट्रहित में ऐसे गद्दारों को अब हमें चिन्हित करना होगा नहीं तो ऐसे लोग देश की सुरक्षा में खतरा साबित हो

सकते हैं।

इसीक्रम में राष्ट्रीय संरक्षक भाजपा युवा नेता चौधरी अमित सिंह ने कहा विश्व हिन्दू राष्ट्र परिषद का हर सदस्य हमारे परिवार का सदस्य है। उसे किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो संगठन हमेशा उसके साथ है और हमें राजनीति में भी हिन्दूवादी विचार धारा के लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए। देश में आदरणीय मोदीजी एवं प्रदेश में आदरणीय योगीजी जिस तरह कार्य कर रहे हैं यदि हर जनप्रतिनिधि इसी कार्यशैली में कार्य करें तो हमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। हमें हर लोकसभा में मोदीजी जैसा और हर विधानसभा से योगी आदित्यनाथ जी जैसा नेता चुनना होगा, तभी इस देश में हिन्दू सुरक्षित रहेगा।

अंत में, नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजकुमार त्रिवेदी ने कहा संगठन ने जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मुझे दी है मैं पूर्ण निष्ठा के साथ उसका निर्वाह करते हुए हिन्दू समाज की सेवा और सुरक्षा का कार्य करूंगा। शीघ्र ही प्रदेश के हर जिले नगर तथा वार्ड स्तर पर संगठन की कार्यकारिणी बनाकर हिन्दुत्व के कार्य को और गति प्रदान करूंगा। हिन्दू बहन बेटियों की सुरक्षा, लेंड जिहाद और लव जेहाद की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष टीमें बनाई जाएगी, जो ऐसे विधर्मियों की निगरानी का कार्य करेंगी और जो लेंड जिहाद और लव जेहाद की घटनाओं को अंजाम देते हैं साथ ही ईसाई मिशनरी जो गरीब दलित बस्तियों में सीधे साधे गरीब तबके के लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण करवाने का कार्य करते हैं उन्हें सबक सिखाने का काम करेंगी।

वहीं, इस कार्यक्रम का संचालन नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा द्वारा किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर तथा पटका पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना, वरिष्ठ समाजसेवी अनिल अग्रवाल एवं राष्ट्रीय संरक्षक अविनाश राणा, राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी अमित सिंह, नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजकुमार त्रिवेदी, प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा ,प्रदेश संरक्षक दीपक वीर सिंह चौहान, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रदीप दुबे ,युवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह सोनकर, प्रदेश महामंत्री युवा वाहिनी सुरेन्द्र सिंह चौहान, समाजसेवी रवि अरोड़ा, समाजसेवी प्रवीन जैन, हनुमान सेना प्रदेश अध्यक्ष सतीश शिवाजी, प्रदेश महामंत्री ज्ञानेंद्र फौजदार, रविशंकर शर्मा, गोपाल सिंह चाहर, किशन वघेल, कमल किशोर, रोहित सोनी ,सचिन सोनी, राजेश दिवाकर, सनी जैन, आयुष जैन, राजकुमार सर, डालचंद, मुकेश चौधरी, लोकेश कुशवाहा, ललित कुशवाहा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

किसरा मंडल स्थित में बंलड़ागुड़ा देवासी समाज सिकंदराबाद व हैदराबाद देवासी समाज द्वारा आयोजित महिला संगीत व अतिथियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक विराराम देवासी, प्रेम कुमार देवासी सुपुत्र मानाराम देवासी समस्त देवासी समाज पदाधिकारी कालुराम देवासी मांगीलाल देवासी राजाराम देवासी अजयराम देवासी, बंगाराम, मांगीलाल ,रेमश सीरवी, मंगलाराम पंवार, ओमप्रकाश, नारायण लाल समाज बन्धु।

अफ्रीका में फंसे श्रमिकों को वापस लाने हेतु हेमंत ने किया सफल प्रयास

रू .39,77,743 बकाया राशि का कराया भूगतान ,मिडिलमैन पर मामला दर्ज

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर कैमरून में फंसे झारखण्ड के 47 प्रवासी श्रमिकों में से 11 श्रमिकों की सुरक्षित वापसी हो गई। सभी श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया गया। बाकी बचे 36 श्रमिकों की वापसी भी सुनिश्चित की जा रही है। मालूम हो कि सेंट्रल अफ्रीका के कैमरून में कार्यरत झारखण्ड के हजारीबाग, बोकारो एवं गिरिडीह जिला के 47 श्रमिकों के वेतन भुगतान और कंपनी द्वारा अच्छा व्यवहार नहीं किए जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को प्राप्त हुई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था।राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क कर मामले का सत्यापन किया। मामले के सत्यापन के उपरांत श्रम सचिव मुकेश कुमार एवं कमिश्नर संजीव कुमार बेसरा के निर्देशानुसार संबंधित जिलों के श्रम अधीक्षकों ने नियोजकों/नियोक्ताओं और बिचौलियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराया और फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की गई। कंट्रोल रूम की टीम लगातार ई-मेल और फोन के माध्यम से अधिकारियों, कंपनी एवं श्रमिकों से संपर्क करते हुए श्रमिकों का कुल 39,77,743 बकाया रुपये का भुगतान कराया गया है। इसके बाद 27 दिसंबर 2024 को 47 श्रमिकों में से 11 श्रमिकों का पहला समूह कैमरून से भारत के लिए रवाना हुआ और 29 दिसंबर 2024 को सभी श्रमिक सुरक्षित झारखण्ड पहुँचे।झारखण्ड पहुँचने पर श्रम विभाग के अधिकारियों ने श्रमिकों का स्वागत बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पर किया।

बबी दास ने इस्थिफा दिआ ,क्या बेबी होगे O C A अधख्य

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: प्रणब प्रकाश दास के ओसीए अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अब इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि अध्यक्ष कौन बनेगा। लंबे समय से चर्चा चल रही है कि ब्रह्मगिरी के पूर्व विधायक ललितेंदु विद्याधर महापात्रा ओसीए के अध्यक्ष होंगे। ललितेंदु ने एक अच्छे क्रिकेटर के रूप में भी ख्याति अर्जित की है।प्रणव प्रकाश दास ने ओसीए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। जिससे अब हलचल मच गई है। इस बात पर गहन बहस चल रही है कि किन परिस्थितियों में बॉबी ने ओसीए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। यह ध्यान देने योग्य है कि बॉबी ओसीए अध्यक्ष के रूप में एक महत्वपूर्ण चुनाव हार गए। उनका कार्यकाल अभी ख़त्म नहीं हुआ था। इस संबंध में संपादक संजय बेहरा ने बताया कि बॉबी पूर्व मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में अध्यक्ष बने थे। लेकिन समय न दे पाने के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया। ओसीए अध्यक्ष पद का चुनाव 45 दिनों में होगा। दूसरी ओर, पंकज लोचन मोहंती चुनाव तक पार्टी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

महिला संगीत व अतिथियों के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

कापरा मंडल स्थित श्री आईजी सेवा संस्थान में लक्ष्मण भागीरथ सुपुत्र पूनम चंदजी बरफ़ा परिवार चेरलापली द्वारा आयोजित महिला संगीत व अतिथियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक लक्ष्मण बर्फ़ सीरवी समाज पारसीगुटा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, शिक्षा समिति पारसीगुटा बडेर अध्यक्ष लाबुराम पंवार , सीरवी समाज कोरेमुला बडेर संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, आईजी सेवा संघ उपाध्यक्ष नारायण लाल गेहलोत,

सीरवी समाज बालाजी नगर बडेर अध्यक्ष जयराम पंवार,गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, आईजी सेवा संघ कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा,चेनाराम परिहार, आईजी गौशाला कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार , चेनाराम पंवार, मुलाराम ,प्रकाश चोयल, किशनसिंह राठौड़, रामलाल परिहार,मध्य प्रदेश से पधारे मेहमान शक्तिसिंह देवड़ा रमेश सानपुरा मोहन गहलोत ,देवाराम बर्फा, नरेंद्र बर्फा, महिला मंडल लीला बर्फा, मैना बर्फा, माया बर्फा, कला बर्फा,चनदुबाई बर्फा ,रुकमा बर्फा, व समाज बंधु।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023